संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-06 ❖ अंक-30 ❖ मुंबई ❖ रविवार 20 से 26 जुलाई 2025 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-
RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2024-2026

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

सुविचार

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।

सुविचार

"जीवन में सब्र और मेहनत की जरूरत होती है, भाग्य खुद चलकर आता है।"

केंद्र व महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा

अतिरिक्त अदालतों का हो गठन

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मौजूदा अदालतों को विशेष अदालतें घोषित करने पर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की खिंचाई की और विशेष मामलों की सुनवाई के लिए नई अदालतें नहीं खोलने पर नाराजगी जाहिर की। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे से कहा कि अगर मौजूदा अदालतों में एनआईए अधिनियम के तहत विशेष मुकदमों के लिए सुनवाई होगी तो वर्षों तक जेल में बंद विचाराधीन कैदियों और हाशिए पर पड़े लोगों, वैवाहिक विवादों के मामलों पर सुनवाई अटकी रहेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह समय की मांग है कि अधिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाए, न्यायाधीशों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए और सरकार द्वारा पदों को मंजूरी दी जाए। पीठ ने कहा अगर अतिरिक्त अदालतें नहीं बनाई गईं, तो अदालतें विशेष कानूनों के तहत दर्ज अभियुक्तों को जमानत देने के लिए मजबूर होंगी क्योंकि मुकदमों के जल्दी निपटारे के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को एनआईए, मकोका और यूएपीए जैसे विशेष कानूनों के तहत विशेष अदालतों की स्थापना के लिए एक उचित प्रस्ताव तैयार करने का आखिरी मौका दिया है।

अगर अतिरिक्त अदालतें नहीं बनाई गईं, तो अदालतें विशेष कानूनों के तहत दर्ज अभियुक्तों को जमानत देने के लिए मजबूर होंगी : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने चार सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने को कहा

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को चार हफ्तों बाद इस मामले में अपना जवाब दाखिल करना है। इससे पहले इस मामले में 23 मई को भी सुप्रीम कोर्ट ने विशेष मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के निर्माण की बात कही थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जघन्य और गंभीर मामलों की जल्द सुनवाई का एकमात्र तरीका विशेष अदालतों की स्थापना करना है जहां केवल विशेष कानूनों से संबंधित मामलों की सुनवाई की जा सके। सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के एक नक्सल समर्थक कैलाश रामचंदानी की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। साल 2019 में एक आईईडी विस्फोट में 15 पुलिसकर्मियों के मारे जाने के बाद कैलाश रामचंदानी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

निमिषा को फांसी से बचाने के प्रयास को हरी झंडी

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने यमन में हत्या की दोषी केरल की नर्स निमिषा प्रिया को फांसी से बचाने के प्रयास के तहत सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल को उसकी याचिका पर केंद्र सरकार से संपर्क साधने की शुक्रवार को अनुमति दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ ने काउंसिल की ओर से दायर एक रिट याचिका पर अनुमति संबंधित आदेश पारित किया। काउंसिल ने शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका दायर करके गुहार लगाई थी कि उसके कुछ सदस्य और केरल के सुन्नी इस्लामी नेता कंथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार के एक प्रतिनिधि पीड़ित के परिवार से मिलने और निमिषा की रिहाई के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए यमन जाना चाहते हैं। इसके लिए उसे केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने दलील दी कि यमन में भारतीयों के यात्रा पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार की अनुमति के बिना कोई भी भारतीय यमन नहीं जा सकता।

गंभीर बीमार कैदियों की रिहाई को समान नियम बनाएं सभी राज्य

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जेल नियम हर राज्य के लिए अलग-अलग होते हैं, लेकिन गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई को लेकर सभी राज्यों को समान नियम बनाने चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रखा, जिसमें गंभीर रूप से बीमार या 70 वर्ष से अधिक उम्र के कैदियों की रिहाई की मांग की गई थी। केंद्र सरकार ने बताया कि इस विषय पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई गई है और इसे रिकॉर्ड पर रखा गया है। हालांकि, पीठ ने कहा, आखिरकार जेल नियम राज्यों पर ही लागू होते हैं। सभी राज्यों को एक समान जेल नियम बनाने होंगे, जिसमें गंभीर बीमारियों से पीड़ित कैदियों की रिहाई का प्रावधान हो।

दिल्ली समेत देश के तमाम स्कूलों को बम की धमकी

राजधानी दिल्ली में पांच दिन में चौथा मामला

नई दिल्ली, में शुक्रवार सुबह 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची हैं।

सावधानी के तौर पर स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इनके अलावा, दिल्ली यूनिवर्सिटी के 3 कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई

को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज को धमकी मिली थी। वहीं बेंगलुरु के भी 50 स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि रोडकिल 333 नाम के यूजर ने सुबह 7.24 बजे 50 स्कूलों की ईमेल आईडी पर स्कूल के अंदर बम होने का मेल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलग-अलग स्कूलों में जाकर जांच में जुट गया है। धमकी भरे मेल में लिखा है, मैं आप में से हर एक को इस दुनिया से मिटा दूंगा।

14 जुलाई को दो व 15 को तीन स्कूलों में मिला ई-मेल

14 जुलाई को दो और 15 जुलाई को तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। सेंट स्टीफन्स कॉलेज को 16 जुलाई को मिले ई-मेल में दावा किया गया था कि बम लाइब्रेरी में लगाया गया है। इसके बाद कॉलेज को तुरंत खाली कराया गया और जांच दलों ने वहां भी तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में भय फैलाने के लिए की जाती हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं।

आईएनएस निस्तार नौसेना में शामिल

विशाखापत्तनम। देश में बना पहला डाइविंग सपोर्ट जहाज 'आईएनएस निस्तार' भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे समुद्र के अंदर तीन सौ मीटर तक रेस्क्यू अभियान के लिए बनाया गया है। इस जहाज का वजन दस हजार टन से ज्यादा है। साथ ही 118 मीटर लंबा है। 'आईएनएस निस्तार' को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है।

वेतनभोगियों के लिए आईटीआर-2 दाखिला शुरू

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि आयकरदाता अपने रिटर्न फॉर्म- आईटीआर-2 विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर आज से दाखिल कर सकते हैं। विभाग की ओर से कहा गया कि ई-फाइलिंग पोर्टल पहले से भरे गए डेटा के साथ आईटीआर-2 ऑनलाइन माध्यम से दाखिल करने के लिए चालू हो चुका है।

स्थगन के एक दिन बाद अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

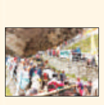

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा एक दिन के निलंबन के बाद शुक्रवार को अनंतनाग के पहलगाम और गंदेरबल जिले के बालटाल, दोनों आधार शिविरों से शुरू हो गई। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार को यात्रा स्थगित कर दी गई थी जिसके कारण दोनों मार्गों पर पटरियों की मरम्मत का काम करना पड़ा था। एक अधिकारी ने कहा, यात्रा शुक्रवार सुबह दोनों मार्गों से फिर से शुरू हो गई।

अंतरिक्ष से लौटकर शुभांशु सीख रहे चलना

लखनऊ। एक्सिओम-4 मिशन को पूरा करके अंतरिक्ष से वापस लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इन दिनों डॉक्टरों की निगरानी में हैं। पृथ्वी पर वापसी के बाद उनको कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शुभांशु डॉक्टरों की देखरेख में चलना सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से लौटने के बाद सीधा चलना भी मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि प्रतिक्रिया समय भी कम हो जाता है।

शायद देश छोड़कर चली गई रूसी महिला : केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने रूसी मां के साथ गायब उसके पांच साल के बेटे के मामले में शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के समक्ष कहा कि लगता है कि महिला भारत छोड़कर कहीं चली गई हैं। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि महिला ने देश छोड़कर जाने के संबंध में संबंधित विभाग को सूचित नहीं किया है। मां-बेटे का पता लगाने के लिए लुकआउट सर्कुलर, वायरलेस संदेश आदि जारी किए गए हैं।

पहलगाम पर संसद में चर्चा आवश्यक

कांग्रेस ने मानसून सत्र में की ट्रंप के दावे व चीन पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि 21 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के हमलावरों के अब तक न्याय के जद से बाहर रहने, 'ऑपरेशन सिंदूर पर कुछ अधिकारियों के खुलासे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावे और चीन के विषय पर कम से कम दो दिनों की चर्चा होनी चाहिए तथा इस मांग को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता। रमेश ने कहा कि विपक्ष यह मांग भी करेगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में आकर इन विषयों पर जवाब दें। उनका कहना था कि संसद में गतिरोध टालना और कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी विपक्ष नहीं, सरकार की है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से आरंभ हो रहा है और 21 अगस्त को कुल 21 बैठकें प्रस्तावित हैं। रमेश ने कहा कि हमारी दो मुख्य मांगें हैं। यह सिर्फ कांग्रेस की मांग नहीं है, बल्कि इंडिया 'जनबंधन' इससे सहमत है। जिन मुद्दों को उठाने की बात हम कर रहे हैं, उनसे पीछे नहीं हटा जा सकता और कोई समझौता नहीं हो सकता।

संसद में गतिरोध टालना व कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी विपक्ष की नहीं, सरकार की है : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने आगे कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के हमलावर आज भी न्याय के कटघरे में नहीं लाए गए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में तीन वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने कुछ खुलासे किए हैं।

इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक आज

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के नेताओं की शनिवार को बैठक होगी जिसमें सत्र के दौरान संसद में विपक्ष की रणनीति पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक 19 जुलाई को ऑनलाइन होगी। बैठक शाम सात बजे शुरू होगी जिसमें देश के राजनीतिक माहौल पर विचार विमर्श किया जाएगा।

ईडी की कार्रवाई पर मचा सियासी घमासान

रायपुर/नई दिल्ली, (ईडी) की कार्रवाई के बाद देश की सियासत गराम गई है। छत्तीसगढ़ की सियासत उस वक्त गरमा गई जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल

- भूपेश बघेल के बेटे पर ईडी की बड़ी कार्रवाई
- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चैतन्य बघेल पांच दिन की ईडी रिमांड पर

को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर अपने साथ ले लिया। मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाले से जुड़ी जांच के तहत यह कार्रवाई हुई। सुबह से ही भिलाई स्थित उनके आवास पर ईडी की टीम ने छापेमारी शुरू की थी, जो कई घंटों तक चली। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी की गाड़ियों को रोकने की नाकाम कोशिश की और विरोध में जमकर नारेबाजी भी की। सूत्रों के अनुसार, यह गिरफ्तारी शराब घोटाले में मिली संदिग्ध आर्थिक लेन-देन और ट्रांजैक्शनों के सबूतों के आधार पर की गई है। प्रवर्तन निदेशालय इससे पहले भी चैतन्य बघेल से पूछताछ कर चुकी है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर कटाक्ष करते हुए लिखा कि आज उनके बेटे का जन्मदिन है और केंद्र ने उसे तोहफे के रूप में ईडी भेजी है।

अडाणी का मामला जब-जब उठाया जाता है, तब-तब मोदी और शाह ईडी की कार्रवाई करते हैं। भूपेश बघेल न टूटेगा न झुकेगा, हम लड़ाई लड़ेंगे। पूरे देश में विपक्ष के नेताओं पर इस तरह की कार्रवाई की जा रही है : भूपेश बघेल

कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जैसे ही खबर फैली कि ईडी की टीम बघेल के घर छापेमारी कर रही है, कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। गेट के बाहर प्रदर्शन किया गया, और कुछ स्थानीय रिपोर्ट्स में ईडी की गाड़ियों पर पथराव की बात भी सामने आई है। हालात को देखते हुए पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ी। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले को लेकर लंबे समय से घमासान मचा है। इस घोटाले को लेकर केंद्र की विभिन्न जांच एजेंसियों-ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई ने पहले भी कई राजनीतिक चेहरों और अधिकारियों पर शिकंजा कसा है। पूर्व की कांग्रेस सरकार पर आरोप है कि शराब ठेकों में कई करोड़ रुपए की हेराफेरी हुई है।

रॉबर्ट-प्रियंका के साथ हर साजिश के खिलाफ रहूंगा खड़ा : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा तथा उनके पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी के जरिए मोदी सरकार लगातार साजिश कर रही है और वह इसके विरुद्ध अपनी बहन और बहनोई के साथ खड़े रहेंगे। गौरतलब है कि वाड्रा के खिलाफ गुरुग्राम जमीन घोटाले के मामले में ईडी ने एक मामला दर्ज किया है।

दिल्ली में झमाझम बरसे बदरा

नई दिल्ली, में मानसूनी गतिविधियों के कारण हल्की से तेज बारिश का दौर जारी है। गुरुवार रात को हुई बारिश के बाद शुक्रवार दोपहर बाद भी बारिश हुई। इसके साथ ही तेज हवा चली। इस कारण से दिन भर मौसम सुहावना बना रहा। वहीं बरसात ने जगह-जगह जलभराव की समस्या भी पैदा हो गई। लोगों को इसके चलते परेशानी का सामना करना पड़ा। अभी फिलहाल ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। हालांकि शनिवार व रविवार को बारिश थोड़ा ब्रेक ले सकती है। इस कारण से रविवार को तापमान में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इस दौरान तापमान 37 डिग्री तक पहुंच जाएगा। अगले सप्ताह से फिर से तापमान में कमी होनी शुरू होगी। दिल्ली में शुक्रवार सुबह आसमान में बादल छाए रहे लेकिन कुछ देर बाद धूप खिल आई। इस कारण से चिपचिपी गर्मी का अहसास हुआ। कुछ देर के लिए धूप और बादलों की लुकाछिपी का खेल चलता रहा।

बरसात से जगह-जगह हुआ जलभराव

बिहार में बिजली गिरने से 24 घंटे में 17 मौतें

बिहार में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौतें नालंदा में हुईं। वैशाली में चार, बांका व पटना में दो-दो लोगों की जान चली गई। पटना में गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। राजस्थान के राजसमंद में वैन में तीन बच्चों समेत सात लोग सैलाब में फंस गए। वैन से निकले कुछ लोग किनारे आने की कोशिश में पेड़ पर फंस गए थे।

पुणे की तरह बनेगा पटना, गुरुग्राम जैसा गयाजी : मोदी

ने शुक्रवार को मोतिहारी में बिहार को लेकर बड़ी घोषणा की। बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित कर बिहार को 7217 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी। इसमें रेल से जुड़ी 5398 करोड़, आईटी पार्क की 63 करोड़, सड़क की 1173 करोड़, ग्रामीण विकास की 562 करोड़ और मत्स्य पालन से जुडी 21 करोड़ रुपए की योजनाओं की शुरुआत हुई। साथ ही मोदी ने आरजेडी व कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के नाम पर राजनीति करते आए हैं, लेकिन बराबरी का अधिकार तो दूर, ये परिवार से बाहर के लोगों को सम्मान तक नहीं देते। इन लोगों का अहंकार आज पूरा बिहार देख रहा है। भारत को आगे बढ़ाने के लिए हमें बिहार को विकसित बिहार बनाना है। आज बिहार में इतनी तेजी से काम इसलिए हो रहा है, क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी, तो यूपीए के दस साल में बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपए के आसपास मिले।

बिहार को दी 7217 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात

महाराष्ट्र विधानसभा मारपीट मामले में एफआईआर, दो की हुई गिरफ्तारी

विधानसभा में भाजपा और एनसीपी (शरद पवार) विधायकों के समर्थकों के बीच मारपीट मामले में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक भिड़ गए थे। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें दोनों विधायकों के समर्थक आपस में गाली-गलौज और हाथापाई करते दिखे। इसके विरोध में (एनसीपी) शरद गुट के समर्थकों ने गुरुवार रात मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया था। मारपीट की वजह सामने नहीं आई है।

भाजपा-शरद पवार गुट के विधायक समर्थकों में हुई थी हाथापाई

कार्रवाई *अमेरिका ने पाकिस्तान को दिया झटका*

टीआरएफ को किया अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन घोषित

पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एडीजीटी) की लिस्ट में डाल दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

मार्को रुबियो ने बयान में लिखा, लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था। टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से पहलगाम हमले के लिए न्याय दिलाने की कोशिश है। यह कदम दिखाता है कि ट्रंप सरकार देश की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है। टीआरएफ एक आतंकी संगठन है जो मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है।

- टीआरएफ ने ली थी पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी

भारत ने अमेरिकी निर्णय का किया स्वागत

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने के अमेरिका के निर्णय का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि टीआरएफ पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही आतंकवादी गुट है और यह 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले सहित कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहा है। उसने दो बार हमलों की ज़िम्मेदारी भी ली है।

क्रिप्टोकरेंसी पर ध्यान देने का समय

भारत सरकार एक महत्वपूर्ण चर्चा पत्र जारी करने जा रही है, जो राष्ट्रीय क्रिप्टो नीति के लिए आधार तैयार कर सकता है। इससे इस क्षेत्र में आशा और घबराहट, दोनों तरह की भावनाएं पैदा हो रही हैं। इस बीच पारंपरिक संस्थान और नीति निर्माता सतर्क, लेकिन आशावादी बने हुए हैं, जो इस क्षेत्र की अस्थिरता की ओर इशारा करता है। डेवलपर्स, फिनटेक इनोवेटर्स और डिजिटल की दुनिया के दिग्गजों के तेजी से बढ़ते समुदाय के साथ हमारे देश में इस वित्तीय व्यवस्था परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए संख्या-बल और प्रतिभा मौजूद है। वास्तव में 10 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ भारत आज दुनिया के सबसे अधिक क्रिप्टो उपयोगकर्ता वाले देशों में से एक बन गया है। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। सरकार का कदम इसमें भूमिका निभाएगा कि दुनिया भारत को डिजिटल भविष्य में कैसे देखती है।

विश्व में क्रिप्टोकरेंसी की लोकप्रियता और बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि हाल में अमेरिका ने जीनियस एक्ट बनाया है, जो स्टेबलकाइन के लिए पहला व्यापक संघीय ढांचा स्थापित करता है। यह कानून बैंकों, फिनटेक फर्मों और खुदरा विक्रेताओं के लिए स्टेबलकाइन जारी करने का मार्ग प्रशस्त करता है, जिससे बाजार का विस्तार संभावित रूप से दो लाख करोड़ डालर से अधिक हो सकता है। वैश्विक स्तर पर यह कानून विनियामक स्पष्टता के लिए मिसाल कायम करता है और दुनिया भर में और विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में इसी तरह के ढांचे को प्रेरित कर सकता है। दुनियाभर की सरकारें क्रिप्टो को अपना रही हैं और इस परिसंपत्ति वर्ग को विनियमित कर रही हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया में यह प्रवृत्ति अब तेजी से मुख्यधारा में जगह बना रही है। पाकिस्तान ने अमेरिका की मदद से डिजिटल परिसंपत्तियों की निगरानी, विनियमन और व्यापार को सक्षम करने के लिए एक डिजिटल परिसंपत्ति प्राधिकरण आनन-फानन में बनाया है। सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम और फिलीपींस जैसे देश भी नए, सहायक विनियमों और उनके बढ़ते डिजिटल बुनियादी ढांचे की घोषणा के साथ अपने बाजारों को नई संभावनाओं के लिए खोल रहे हैं। पश्चिमी जगत से समर्थन मिलने से यह क्षेत्र अब क्रिप्टो के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन रहा है। चेनलिसिस ग्लोबल एडाप्शन इंडेक्स के अनुसार, भारत लगातार दूसरे साल क्रिप्टोकरेंसी को अपनाने में दुनिया में सबसे आगे रहा, जो इस दिशा में हमारी आगे बढ़ने की स्वाभाविक इच्छा को दर्शाता है। समय आ गया है कि भारत भी इस वैश्विक रुझान में शामिल हो, अपने नियामक रुख पर पुनर्विचार करे, संदेह पैदा करने वाली चिंताओं को दूर करे और इस क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरे, ठीक उसी तरह जैसे यूपीआइ को अपनाकर अपनी अग्रणी पहचान बनाई है। डिजिटल परिसंपत्तियों की देशव्यापी स्वीकृति को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभरने के लिए भारत को कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रयासों की आवश्यकता है। चर्चा पत्र की घोषणा उद्योग और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बड़ी उम्मीद लेकर आई है। इस पत्र के साथ कई बदलाव लाए जा सकते हैं, खासकर कर कानूनों के क्रियान्वयन और सभी ट्रेडर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले ढांचे की दिशा में। डिजिटल परिसंपत्तियों को अपनाने की बात करें तो अनुभवहीनता और विश्वसनीय स्रोतों की कमी एक बड़ी बाधा के रूप में सामने आती है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारतीय निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी और उनकी क्षमता के बारे में शिक्षित करना होगा। भारत में विश्वसनीयता हासिल करने का माध्यम नियमों का पालन करना है। कंप्लायंस-फर्स्ट यानी कानूनों, नियमों और नीतियों का पालन करने और इसे प्राथमिकता देने की रणनीति अपनाकर और खुद को सेल्फ-रेगुलेट करके क्रिप्टोकरेंसी कंपनियां जवाबदेही और जिम्मेदारी प्रदर्शित कर सकती हैं

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है।

संदीप कुमार बी. अघारा

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है।

दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटू एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी सांझा संस्कृति के राष्ट्र एवं समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि "बोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है?

भूपत सांवलिया

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

किरीट ए. चावड़ा

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है। अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि 'जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का जो कार्य प्रारंभ किया, वह एक सामान्य प्रशासनिक कार्य नहीं था, बल्कि एक लोकतांत्रिक शुद्धिकरण था। यह सुधार न केवल चुनावों को पारदर्शी बनाता है, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। परन्तु कुछ राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और इसे जातीय आंकड़ों, राजनीतिक संतुलन और चुनावी गणित से जोड़कर कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है

'आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता', टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने पर जयशंकर ने जताई खुशी

टीआरएफ पाकिस्तान के आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' की प्रॉक्सी विंग (मुखौटा शाखा) है। कई वर्षों से टीआरएफ, जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम दे रहा है। खासतौर पर, जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हमले और टारगेट किलिंग, ये टीआरएफ की रणनीति का हिस्सा रहा है।

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अमेरिका द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने की सराहना की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'भारत-अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ सहयोग की एक मजबूत पुष्टि। लश्कर ए तैयबा के मुखौटा संगठन टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और वैश्विक आतंकवादी संगठन (एसडीजीटी) घोषित करने के लिए विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिकी विदेश विभाग की सराहना करता हूं। इसी संगठन ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

सरकार बोली- भारत रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध की आशंका से चिंतित नहीं, वैकल्पिक जगहों से खरीदेंगे

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत रूसी तेल पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंध को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के पास पर्याप्त वैकल्पिक स्रोत हैं और भारत हर तरह की तेल आपूर्ति बाधा से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। सरकार ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

अमेरिका के साथचल रहे व्यापार वार्ता के बीच भारत ने रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंध लगने की आशंका को ज्यादा महत्व नहीं देते हुए कहा, वह अपनी तेल आयात की जरूरतें पूरी करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों से खरीदारी बढ़ाएगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक भारत रूस से तेल की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से निपटने के लिए अन्य देशों से तेल खरीद सकता है।

पुरी ने रूस पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों के असर को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, मेरे दिमाग में इसे

लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। भारत तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाया है। हम पहले 27 देशों से तेल खरीदते थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब करीब 40 हो गई है। रूस तीन वर्षों में भारत के प्रमुख तेल स्रोत के रूप में उभरकर सामने आया है।भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी अब 40 फीसदी है।पुरी ने कहा, रूस के अलावा ब्राजील, कनाडा और गुयाना जैसे देशों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति को बढ़ाया जा सकता है।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) की ओर से आयोजित सालाना सम्मेलन ऊर्जा वार्ता में पुरी ने कहा, भारत घरेलू तेल खोज और उत्पादन को भी तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा, मैं बिलकुल भी चिंतित नहीं हूं। अगर कुछ होता है तो हम उससे निपट लेंगे। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के चेयरमैन एएस साहनी ने कहा, अगर रूस से तेल आपूर्ति बाधित होती है तो भारत उस व्यवस्था की तरफ लौट सकता है, जो यूक्रेन युद्ध से पहले लागू थी। उस समय रूस से आयात दो फीसदी से भी कम था।

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) का कहना है, भारत को रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने के अमेरिकी दबाव में नहीं आना चाहिए और उसका विरोध करना चाहिए। रूसी तेल आयात से भारत को महंगाई को काबू में करने और अस्थिर वैश्विक माहौल में आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में मदद मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदारों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाने की चेतावनी दी है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, भारत को इस दबाव को खारिज करते हुएअपनी रूस रणनीति पर टिके रहना चाहिए। इस नीति में बदलाव से अमेरिकी चेतावनी नहीं रुकेगी और यह बढ़ती रहेगी। यह कोई अलग मामला नहीं है। ट्रंप विभिन्न कारणों से शुल्क को लेकर नियमित चेतावनी देते रहे हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौते में अपनी शर्तों पर बात करे भारतः ईएसी-पीएम

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने कहा, भारत को राष्ट्रीय हित का ध्यान रखते हुए अपनी शर्तों पर अमेरिका से व्यापार समझौते पर बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद भारत को शुल्क के मामले में अन्य देशों की तुलना में बढ़त मिलेगी और निर्यात को समर्थन मिलेगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता उसी तर्ज पर होगा, जैसा अमेरिका ने इंडोनेशिया से किया है। इसके तहत इंडोनेशियाई वस्तुओं पर अमेरिका में 19 फीसदी शुल्क लगेगा।

महंगाई लक्ष्य बढ़ाने की जरूरत नहीं

क्या भारत को विकासशील अर्थव्यवस्था के लिहाज से महंगाई लक्ष्य को थोड़ा अधिक रखना चाहिए...इस पर देव ने कहा, जब मौजूदा ढांचा मुद्रास्फीति और वृद्धि लक्ष्यों को लेकर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो लक्ष्य बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

भारत में रूसी महिला... बेटियां 6 और 4 साल की; इस्राइली पिता बोला- कस्टडी दोनों को..

कर्नाटक के गोकर्ण में गुफा में रह रही रूसी महिला नीना कुटीना और उनकी बेटियों की कहानी अब एक भावनात्मक मोड़ पर है। नीना के इस्राइली पार्टनर ड्रोर गोल्डस्टीन ने कहा है कि वे बेटियों से अलग नहीं होना चाहते, बल्कि उनके पास रहकर उन्हें प्यार, शिक्षा और एक सुरक्षित जीवन देना चाहते हैं। इसके साथ ही ड्रोर ने ये भी कहा कि जहां भी वे होंगी, मैं उनके पास रहने को तैयार हूं।

कर्नाटक के गोकर्ण के पास एक गुफा में रह रही रूस की नागरिक नीना कुटीना और उनकी दो बेटियों की कहानी सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। नीना अपने बच्चों के साथ कई महीनों से एक सुनसान गुफा में रह रही थीं। वहीं, अब इस मामले में नया मोड़ तब आया जब नीना कुटीना के पार्टनर ड्रोर गोल्डस्टीन ने सामने आकर कहा है कि वह अपनी बेटियों के करीब रहना चाहते हैं और उनकी अच्छी परवरिश और शिक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं।

बता दें कि इस्राइली नागरिक बताए जाने वाले ड्रोर हाल ही में बंगलूरू से करीब तीन घंटे का सफर तय करके कर्नाटक के तुमकुरु आए। वह यहां विदेशी नागरिक केंद्र पहुंचे ताकि अपनी बेटियों से मिल सकें। लेकिन उन्हें वहां यह कहकर रोक दिया गया कि बिना विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) की लिखित अनुमति के वह बच्चों से नहीं मिल सकते।

गुफा में रह रही थी मां और बेटियां

न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में ड्रोर ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि नीना और उनकी बेटियां किसी गुफा में रह रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि वो गोकर्ण में हैं, लेकिन गुफा में रह रही हैं, इसका अंदाज़ा नहीं था। हमारी आखिरी मुलाकात गोकर्ण के मुख्य बीच पर हुई थी। मैं कुछ दिन वहां था। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने भारत मार्च 2025 में छोड़ा था और उसके बाद कुछ बार नीना से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कहा कि मुझे समझ में आया कि उसका वीज़ा कुछ महीने पहले खत्म हो गया था, लेकिन मैं उसकी मदद नहीं कर पाया।

बेटियों के करीब रहना चाहते हैं ड्रोर

ड्रोर ने साफ किया कि उनका इरादा बच्चों को मां से अलग करने का नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरी बेटियां अपनी मां के बहुत करीब हैं। मैं सिर्फ यह चाहता हूं कि मैं उनके करीब रहूं और हम दोनों मिलकर उनकी अच्छी परवरिश करें। इसके साथ ही भावुक होते हुए ड्रोर ने कहा कि मैं चाहता हूं कि उन्हें अच्छी शिक्षा मिले, वे स्वस्थ रहें और खुश रहें। मैं जहां भी वे रहेंगी, वहां जाने को तैयार हूं।

एफआरओ के चलते अपनी बेटियों के नहीं मिल पाएं ड्रोर

बातचीत में ड्रोर ने बताया कि मैं बंगलूरू से सुबह चला और तुमकुरु के इस ऑफिस में पहुंचा। जब मैंने अधिकारियों से मिलने की कोशिश की तो उन्होंने कहा कि मैनेजर के आने के बाद ही बात होगी। एक घंटे बाद मैनेजर आईं और उन्होंने कहा कि मुझे FRO से अनुमति पत्र लाना होगा।

अपराध शाखा ने पीड़िता को बचाने गए शख्स का बयान लिया, बालासोर में पांच नामजद

ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज में 20 वर्षीय छात्रा ने कथित यौन उत्पीड़न के बाद आत्मदाह कर लिया। इसके बाद भुवनेश्वर के एम्स में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने मामले की जांच शुरू की और एकमात्र गवाह ज्योतिरंजन बिस्वाल से पूछताछ की, जो छात्रा को बचाने की कोशिश में झुलस गया था।

ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज में एक 20 साल की छात्रा ने कथित यौन उत्पीड़न के बाद खुद को आग लगा ली थी। इस दुखद घटना की जांच कर रही ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। पुलिस ने मामले में ज्योतिरंजन बिस्वाल नामक व्यक्ति का बयान दर्ज किया, जो कि छात्रा को बचाने की कोशिश में खुद भी झुलस गया था।

बता दें कि बुरी तरह से झुलसने के चलते छात्रा की बीते सोमवार की रात भुवनेश्वर के एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अपराध शाखा ने बुधवार को इस मामले को अपने हाथ में लिया और गुरुवार को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज में भर्ती ज्योतिरंजन से पूछताछ की। पुलिस का मानना है कि ज्योतिरंजन इस घटना का इकलौता गवाह है, जो 12 जुलाई को कॉलेज परिसर में हुई घटना की सच्चाई बता सकता है।

पुलिस ने ज्योतिरंजन से की पूछताछ

पुलिस ने ज्योतिरंजन से पूछा कि क्या छात्रा ने खुद पर पेट्रोल डाला था या किसी ने उसे ज्वलनशील पदार्थ दिया। पुलिस ने बताया कि यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि छात्रा की मां का दावा है कि उनकी बेटी को किसी ने आग लगाई होगी। पुलिस ने अस्पताल में ज्योतिरंजन के डॉक्टरों से भी बात की।

पूछताछ के लिए बालासोर कॉलेज पहुंची पुलिस

इसी बीच, डीएसपी इमान कल्याण नायक के नेतृत्व में अपराध शाखा की एक टीम पूछताछ के लिए बालासोर के कॉलेज पहुंची। नायक ने बताया कि हमने बालासोर के सहदेवखुना पुलिस स्टेशन से मामला लिया है। हम जांच को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं।

दो लोगों की पहले हीं हो चुकी है गिरफ्तारी

गौरतलब है कि मामले में बालासोर पुलिस ने पहले ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें शिक्षा विभाग के निलंबित प्रमुख समीरा कुमार साहू और कॉलेज के निलंबित प्राचार्य दिलीप घोष शामिल हैं। उन पर छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न, उसका पीछा करने और आत्महत्या के लिए उकसाने जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं मामले में उच्च शिक्षा विभाग की एक तीन सदस्यीय समिति भी इस मामले की जांच कर रही है। समिति ने कॉलेज के प्राचार्य और आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों को शुक्रवार को पूछताछ के लिए बुलाया है।

पांच लोगों पर साइबर उत्पीड़न का भी मामला दर्ज

दूसरी तरफ, मृतक छात्रा के भाई की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ साइबर उत्पीड़न का मामला दर्ज किया है। भाई का कहना है कि ये लोग सोशल मीडिया पर परिवार और मृतक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे थे, जिससे परिवार को मानसिक परेशानी हुई। पुलिस ने इन लोगों पर साक्ष्य मिटाने, मानहानि और आपराधिक साजिश के आरोप

बिहार में 125 यूनिट फ्री बिजली के एलान पर 'आप' का तंज, बोले- आम आदमी पार्टी की एंट्री से घबराए नीतीश

अनुराग ढांडा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। इसी कारण आज देश की जनता मुफ्त बिजली, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दें रही है। आज बिहार में भी इसी केजरीवाल मॉडल की छाया देखने को मिल रही है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने बिहार सीएम नीतीश कुमार के पहली बार 125 यूनिट तक की मुफ्त बिजली देने की घोषणा की सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार सीएम को 'केजरीवाल मॉडल' की बढ़ती लोकप्रियता और प्रभाव के कारण ही बिजली को लेकर घोषणा करनी पड़ी है। जिससे एक बात स्पष्ट हो जाती है कि आम आदमी पार्टी की एंट्री से इस बार का चुनाव जनहित के मुद्दों पर लड़ा जाएगा अनुराग ढांडा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी।

इसी कारण आज देश की जनता मुफ्त बिजली, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दें रही है। आज बिहार में भी इसी केजरीवाल मॉडल की छाया देखने को मिल रही है। अनुराग ढांडा ने कहा कि जैसे ही आम आदमी पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की। आम आदमी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के हर जिले में जाकर जनता को मूलभूत सुविधाओं की मांग उठाने के लिए मजबूर किया।

चुनाव आयोग के आंकड़ों में खुलासा, 17.37 लाख से ज्यादा स्थायी रूप से दूसरी जगहों पर जाकर बसे

बिहार में निर्वाचन आयोग की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, 5.76 लाख से अधिक मतदाताओं ने खुद को दो स्थानों पर वोटर के रूप में पंजीकृत कराया है, जबकि 17.37 लाख से ज्यादा लोग स्थायी रूप से राज्य से बाहर बस चुके हैं। बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वे में पता चला कि 7.90 करोड़ में से 35.69 लाख मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, जिनमें 12.55 लाख संभवतः मृत पाए गए।

निर्वाचन आयोग की तरफ से बिहार में कराई जा रही विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) के दौरान ये बात सामने आई है कि राज्य के 5.76 लाख से अधिक मतदाताओं ने खुद को अन्य जगहों पर भी वोटर की तौर पर पंजीकृत करा रखा है। आयोग के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि 17.37 लाख से अधिक मतदाता संभवतः स्थायी रूप से दूसरी जगहों पर जाकर बस गए हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के दौरान लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 35.69 लाख से अधिक अपने पते पर नहीं पाए गए। आयोग के मुताबिक, इनमें से 12.55 लाख से अधिक मतदाताओं की संभवतः मृत्यु हो चुकी है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि आने वाले दिनों में इन आंकड़ों में और भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सिर्फ 5.8% फॉर्म जमा करने से बचे

आयोग की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, राज्य के कुल 7.89 करोड़ में 89.7 फीसदी यानी 7,08,18,162 अब तक अपना गणना फॉर्म जमा कर चुके हैं। अभी फॉर्म जमा करने के लिए आठ दिन का समय बचा है और केवल 5.8 फीसदी यानी 45,82,247 मतदाताओं के गणना फॉर्म नहीं मिले हैं। ताजा आंकड़े बताते हैं कि 2.2 फीसदी यानी 17,37,336 मतदाता दूसरी जगहों पर चले गए हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में धांधली और चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दावा किया गया था कि सरकारी अधिकारी मतदाताओं की जानकारी के बिना मतदाता फॉर्म भर रहे थे और उन पर हस्ताक्षर कर रहे थे।

बेटे के खिलाफ मामले में ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम बघेल के घर मारा छापा, शराब घोटाले को लेकर कार्रवाई

शराब घाटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य के घर छापेमारी की है। इसकी जानकारी खुद भूपेश बघेल ने 'एक्स' पर दी। उन्होंने लिखा, 'ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अदाणी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठना था। भिलाई निवास में साहेब ने ईडी भेज दी है।'

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई कथित शराब घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की गई। अधिकारियों ने बताया कि ईडी मामले में नए सबूत मिलने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भिलाई शहर में चैतन्य बघेल के घर की तलाशी ले रही है, जहां वे अपने पिता के साथ रहते हैं।

भूपेश बघेल ने 'एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया

संघीय जांच एजेंसी ने इसी साल मार्च में चैतन्य बघेल के खिलाफ छापेमारी की थी। ताजा छापेमारी को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने 'एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया। पोस्ट में कहा गया कि ईडी विधानसभा सत्र के आखिरी दिन उनके भिलाई स्थित आवास पर पहुंची है।

आपराधिक आय हासिल करने का संदेह

ईडी ने पहले कहा था कि चैतन्य बघेल पर कथित शराब घोटाले की आपराधिक आय हासिल करने का संदेह है।

बताया गया कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की वजह से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। इस अपराध से प्राप्त 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि शराब सिंडिकेट के लाभार्थियों की जेबों में गई।

भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद, भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद

बघेल घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे, जबकि कुछ पार्टी समर्थक भी जमा थे। संघीय जांच एजेंसी ने 10 मार्च को चैतन्य बघेल के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी की थी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने 'एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि ईडी विधानसभा सत्र के आखिरी दिन ऐसे वक्त उनके घर आई है, जब रायगढ़ जिले की तमनार तहसील में अदाणी समूह की एक कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था।

बघेल ने तमनार तहसील का दौरा किया था

इस महीने की शुरुआत में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बघेल ने तमनार तहसील का दौरा किया था और स्थानीय ग्रामीणों को समर्थन दिया था। इलाके में एक कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का विरोध हो रहा है। यह खदान महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) को आवंटित है, जिसने अदाणी समूह को एमडीओ (खदान विकासकर्ता सह संचालक) का ठेका दिया है।

अब तक कई गिरफ्तारी, करोड़ों की संपत्ति जब्त

शराब घोटाले मामले में ईडी ने जनवरी में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता कवासी लखमा के अलावा रायपुर के मेयर और कांग्रेस नेता एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था।

ईडी के मुताबिक, कथित शराब घोटाला 2019 और 2022 के बीच हुआ था, जब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का शासन था। जांच के तहत अब तक एजेंसी की ओर से 205 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

'अपराध की क्रूर प्रकृति ही मृत्युदंड के लिए पर्याप्त नहीं'; अदालत ने आजीवन कारावास में बदली सजा

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर देते हुए कहा कि अपराध की क्रूरता या वीभत्स प्रकृति मृत्युदंड देने के लिए पर्याप्त नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दोषी के सुधार की संभावना वअपराध को कम करने वाली और गंभीर परिस्थितियों की जांच की जानी जरूरी है।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने 2018 में देहरादून में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में अपीलकर्ता जय प्रकाश की दोष सिद्धि को तो बरकरार रखा, लेकिन उसकी मृत्युदंड को बिना किसी छूट के आजीवन कारावास में बदल दिया। पीठ ने कहा, अपराध को कम करने वाली परिस्थितियों और दुर्लभतम में से दुर्लभतम श्रेणी की सीमा को ध्यान में रखते हुए हम अपीलकर्ता को मृत्युदंड की बजाय उसके प्राकृतिक जीवनकाल तक बिना किसी छूट के आजीवन कारावास देना उचित समझते हैं। अदालत ने बच्चों की गवाही से पाया कि जय प्रकाश को घटना के दिन आखिरी बार पीड़िता के साथ उसकी झोपड़ी के अंदर देखा गया था। अदालत ने कहा कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था।

दुर्लभतम श्रेणी पर अधीनस्थ अदालतों ने नहीं किया गौर

सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद फारूक अब्दुल गफूर बनाम महाराष्ट्र (2010) के मामले का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि अदालत उन मामलों में मृत्युदंड की तुलना में आजीवन कारावास को प्राथमिकता दे सकती है, जो पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हों। पीठ ने कहा, हम इस अपराध की क्रूरता से भी अवगत हैं। एक असहाय बच्ची को पहले तो जय प्रकाश ने मिठाई खरीदने के बहाने बहला-फुसलाकर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद अपराध के सबूत छिपाने के लिए बच्ची को असहाय अवस्था में ही गला घोंटकर मार डाला। इस मामले को दुर्लभतम श्रेणी में डालने के निष्कर्ष पर पहुंचने में अधीनस्थ अदालतों द्वारा किसी अन्य परिस्थिति पर विचार नहीं किया गया। हमारे विचार में इस तरह के दृष्टिकोण को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

है इनका अलग अंदाज

राज के.वेगड़

नई तकनीक का प्रयोग

एक स्कूल में शिक्षिका अदिति शर्मा कहती हैं कि मेरे पति को जब भी आफिस में थोड़ा सा समय मिलता है वह व्हाट्सएप या स्काईप के जरिए मुझसे संपर्क कर लेते हैं। वह मेरे हालचाल ले लेते हैं और मैं उनके। इस संदर्भ में रिलेशनशिप एक्सपर्ट डा. लकी चतुर्वेदी बाजपेई कहती हैं कि नई तकनीक केवल कामकाज संबंधी काम करने के लिए ही नहीं बनी है। इनका प्रयोग आप अपने रिश्तों में गर्माहट बनाए रखने के लिए भी कर सकते हैं अर्थात इनका प्रयोग आपस में प्रेम बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है। कभी आपस में एक-दूसरे को अपनी फोटो भेज सकते हैं तो कभी हंसाने और गुदगुदाने वाले जोक्स भी। शोध-अध्ययनों से भी यह बात साबित हुई है कि नई टेक्नोलाजी के प्रयोग से रिश्तों में और मिठास लाई जा सकती है।

थाम लेते हैं हाथ

एक बैंक में कार्यरत छाया तिवारी कहती हैं कि मेरे पति की आदत है कि वह चाहे घर में हों या बाहर जब भी उनका दिल करता है वह मेरा हाथ अपने हाथ में थाम लेते हैं। मुझे उनकी यह आदत बहुत अच्छी लगती है। पति का बिना कुछ कहे मजबूती से अपने हाथ में मेरा हाथ थाम लेना दिल को बहुत संबल देता है।

रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. शालिनी सिंह कहती हैं कि स्पर्श में बहुत ताकत होती है। स्पर्श बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह देता है। इससे रिश्तों में ताजगी आती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है कि कोई मेरे साथ है। दांपत्य जीवन में स्पर्श बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। स्पर्श भावनाओं के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम है। साथी का स्पर्श दोनों को सुखद अहसास कराता है।

सिंगर बन जाते हैं वो

एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पगवी अग्रवाल कहती हैं मेरे पति और मैं दोनों एक ही कंपनी में हैं। वैसे तो उनका दूर-दूर तक संगीत और साहित्य से कोई लेना-देना नहीं है। फिर भी मुझे खुश रखने के लिए वह जब भी आफिस में कहीं पर मिल जाते हैं तो मेरे लिए कोई न कोई गाना या गजल जरूर गुनगुनाने लगते हैं। शाम को आफिस से लौटने पर अक्सर वह यह गाना गाते हैं, क्या खूब लगती हो, बड़ी सुंदर दिखती हो...। मुस्कराते हुए जब वो यह गाते हैं तो यकीन मानिए मेरी दिनभर की थकान मिनटों में मिट जाती है। इस संदर्भ में रिलेशनशिप एक्सपर्ट डा. लकी चतुर्वेदी बाजपेई कहती हैं कि यह जरूरी नहीं कि आप अच्छे गायक ही हों, जो भी दिल में आए वह गुनगुना लेना चाहिए। अपने साथी को खुश करने के लिए तुकबंदी भी मिला सकते हैं या कोई गाना गाकर अपने प्यार को और मजबूत कर सकते हैं।

डिनर का आयोजन करते हैं

एक कान्वेंट स्कूल में टीचर रूपाली चौधरी कहती हैं कि मेरे पति अपनी व्यस्तता के चलते मुझे घर से बाहर लेकर नहीं जा पाते हैं, लेकिन वह मुझे कभी भी ऐसा नहीं फील होने देते कि उनके पास मेरे लिए समय नहीं है। समय-समय पर और मौसम के हिसाब से वह मेरे लिए कभी कैंडिल लाइट डिनर का आयोजन करते हैं तो कभी बार्बेक्यू पार्टी का। इस दौरान हम दोनों साथ-साथ क्वालिटी टाइम बिता लेते हैं। इस संदर्भ में रिलेशनशिप एक्सपर्ट डा. कंवलजीत कौर कहती हैं कि बिना किसी अवसर के साथ-साथ अलग-अलग तरह से डिनर का आयोजन करने से न केवल आपस में प्रेम बढ़ता है, बल्कि इससे आपके साथी का मूड भी खुशनुमा हो जाता है। उसके दिल को तसगी मिल जाती है कि कोई तो ऐसा है जो उसका खास ख्याल रखता है। इसका आपके संबंधों पर गहरा असर पड़ता है।

खेलते हैं इंडोर गेस

एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत पगवी वर्मा कहती हैं कि छुट्टी का दिन हो या कोई और अवसर, जब भी मौका मिलता है मेरे पति हमारे साथ बैठकर इंडोर गेम्स खेलने लगते हैं। कभी हम काड्र्स खेलते हैं तो कभी तंबोला। यही नहीं कभी-कभी तो हम दोनों लूडो और कैरम भी खेलते हैं। इससे हम दोनों को साथ में समय बिताने का अच्छा अवसर मिल जाता है।

इस संदर्भ में रिलेशनशिप एक्सपर्ट डा. कंवलजीत कौर कहती हैं कि जब भी आपको समय मिले कुछ ऐसे गेम्स जरूर खेलें, जिन्हें खेलने में दोनों को आनंद आए। सबसे खास बात यह है कि खेल के दौरान अगर आप हार जाते हैं तो जीत की खुशी पत्नी की प्रसन्नता को चार गुना बढ़ा देती है।

कहीं आप ऐसी पड़ोसन तो नहीं

मित्रों और रिश्तेदारों से भी अधिक महत्व रखने वाले पड़ोसियों से संबंधों की अपनी एक सीमा होती है, जिसका हर एक को हमेशा ख्याल रखना चाहिए।

किसी ने सही ही कहा है कि अगर आप अपने घर-परिवार से दूर रह रही हैं तो पड़ोसी ही सुख-दुख के हमारे पहले साथी होते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों से भी अधिक महत्व रखने वाले पड़ोसियों से संबंधों की अपनी एक सीमा होती है, जिसका हर एक को हमेशा ख्याल रखना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि अधिक आत्मीयता के चक्कर में आप अपने पड़ोसियों के लिए सिरदर्द बन जाएं। रिलेशनशिप एक्सपट्र्स का कहना है कि पड़ोसी तब मुसीबत बन जाते हैं जब वे अपने पड़ोसियों के जीवन में जरूरत से ज्यादा दखल देने लगते हैं। जाने-अनजाने आप भी तो ऐसा नहीं करतीं।

- जब पड़ोसी सो रहे हों, तब भी बिना किसी जरूरत के समय-असमय आप उनके दरवाजे पर दस्तक देने लगती हैं।
- हर समय उनकी गतिविधियों पर चौकीदार की तरह निगाह रखती हैं। भले ही उन बातों से आपका कोई लेना-देना न हो।
- घर के बाहर भी किसी सार्वजनिक स्थान पर मुलाकात हो जाने पर काफी देर तक उनसे बात करने की कोशिश करती हैं। फिर चाहे उनके साथ उनके मेहमान ही क्यों न हों।
- बात करने के दौरान उनके व्यक्तिगत जीवन से जुड़े प्रसंगों के बारे में खोद-खोदकर पूछती हैं।
- पड़ोसी के किचन में बनने वाली हर चीज का स्वाद आपको लेना ही है। यही नहीं घर में कोई वस्तु खत्म होने पर पास की दुकान पर जाने की बजाय पड़ोसी का दरवाजा खटखटा देती हैं।
- पड़ोसी के अखबार और किताबों पर पहला हकआपका होता है। घर में टीवी होने के बावजूद मनपसंद धारावाहिक आप उन्हीं के ड्राइंग रूम में देखती हैं।
- पड़ोसी के घर-परिवार के लोगों की तुलना में आप ज्यादा घुली-मिली रहती हैं।

इन चीजों को खानें में करें शामिल और जीतें घरवालों का दिल

चार्ल्स पटेल

सर्दियां शुरू हो चुकी हैं और ऐसे में अगर आप पर पूरे घरवालों की जिम्मेदारी संभालती हैं तो जरूर आप इस बात को लेकर चिंतित होंगी कि आखिर कैसे उन्हें ठंड व फ्लू से बचाकर रखा जाए। अब इसके लिए गर्म कपड़े तो होते ही हैं, मगर उनके खाने का भी ध्यान रख आपका उनका दिल जीत सकती हैं। ठंड के मौसम में आहार पर भी सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है।

कुछ खास फल-सब्जियां व अन्य चीजें हैं जिन्हें घरवालों के भोजन में शामिल करें ताकि ठंड के मौसम में होने वाली बीमारियां उन्हें छू तक ना सकें। ऐसे आहार ना सिर्फ हमारे शरीर को गर्म रखते हैं, बल्कि हमारे इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाते हैं।

तो चलिए आपको बताते हैं कि सर्दियों में किन आहारों का सेवन करने से शरीर की गर्मी बनी रहती है और सर्दी-बुखार कोसों दूर रहते हैं-

सिट्रस फ्रूट- संतरा हो चाहे नींबू, इनमें ढेर सारा विटामिन सी होता है जिससे शरीर को पोषण और फ्लेवीनॉइड मिलता है। यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। साथ ही यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ाता है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद करता है।

लहसुन और अदरक- हर घर में भोजन में लहसुन और अदरक का प्रयोग जरुर किया जाता है। सर्दियों में इनके सेवन से सर्दी, जुखाम और कफ से राहत मिलती है। अगर आप मसाला चाय बना रही हैं तो उसमें अदरक डालना ना भूलें।

शहद- शक्कर की जगह पर शहद का सेवन करना लाभकारी हो सकता है। साथ ही यह खराश और ठंडक के लिए दवाई का भी काम करती है।

हल्दी- हल्दी का सेवन करने से आप किसी भी तरह एलर्जी से बच सकते है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है। सर्दी के मौसम में रोजाना हल्दी वाला दूध पीएं।

मैथी- मैथी में विटामिन के, आयरन और फोलिक एसिड में अधिक होता है। इसे खाने से शरीर में खून बढ़ता है और शरीर गर्म रहता है।

गाजर- गाजर खाने से त्वचा हेल्दी रहती है, आंखों की रौशनी बढ़ती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे सर्दियों में शरीर को ठंड नहीं लगती। यह एक गर्म आहार है, जिसे आपको जरुर खाना चाहिए।

अमरूद- सिट्रस फ्रूट्स की तरह इसमें भी भारी मात्रा में विटामिन सी होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ता है। साथ ही इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। तो देर किस बात की है, आज ही से इनको अपने व अपने घरवालों के आहार में शामिल करना शुरू कर दीजिए। अगर सब खुश व स्वस्थ रहते हैं तो पूरा घर चहकता-महकता है।

बेस्ट मॉम बनने के लिए ध्यान रखें ये 6 बातें

महेक जोबनपुत्रा

1. दूसरों की मदद से या घबराना

नए जन्मे बच्चे को संभालने के लिए जितने हाथ हों उतना अच्छा होता है। ऐसे में दूसरे क्या सोचेंगे यह छोड़ कर बस बच्चे के फायदे के बारे में सोचें। यह सोचें कि उसके लालन-पालन में आपको कितनी ज्यादा से ज्यादा मदद मिल सकती है।

2. फैमिली डिनर है जरूरी

अकसर बच्चे आपकी हर बात को अपने नजरिए से देखते हैं। उनको जब कुछ ठीक नहीं लगता, तो बस हो गई आफत। वे विद्रोही व्यवहार करने लगते हैं। इस विद्रोही व्यवहार का हल सिर्फ परिवार के साथ बैठने में छिपा है। साथ बैठना यानी फैमिली डिनर। सख्ती से यह नियम घर में लागू कर दीजिए कि रात का खाना सब लोग साथ बैठकर ही खाएंगे।

इस दौरान टेलीविजन, मोबाइल, लैपटॉप पर पाबंधी होगी। यही वो वक्त होगा जब आप बच्चे से उसके स्कूल, पढ़ाई और दोस्तों के बारे में बात कर सकती हैं। उसकी परेशानियां आपको पता चलेंगी ही आप कुछ सुझाव भी दे सकती हैं।

अकसर बच्चे आपकी हर बात को अपने नजरिए से देखते हैं। उनको जब कुछ ठीक नहीं लगता, तो बस हो गई आफत। वे विद्रोही व्यवहार करने लगते हैं। इस विद्रोही व्यवहार का हल सिर्फ परिवार के साथ बैठने में छिपा है। साथ बैठना यानी फैमिली डिनर। सख्ती से यह नियम घर में लागू कर दीजिए कि रात का खाना सब लोग साथ बैठकर ही खाएंगे।

3. बच्चे को कहीं भी सोने की आदत डालें

जी हां, बच्चे की सिर्फ शांति और अंधेरे में सोने की आदत आप और बच्चे दोनों के लिए मुश्किल बन सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप हर स्थिति में बच्चे के सोने की आदत डालें।

अगर बच्चा सोएगा नहीं, तो परेशान रहेगा और आपकी परेशानी भी बढ़ाएगा। उसके स्वास्थ्य पर भी इसका असर पड़ेगा।

4. दोस्ती के मायने बताएं

दोस्ती नायाब चीज है और इससे बच्चे को रूबरू कराना बहुत जरूरी है। उसे इसकी अहमियत तो बतानी होगी, साथ ही इसे निभाना कितना जरूरी है, यह भी उसे समझाना होगा। उसे अच्छे और बुरे दोस्तों में फर्क करना भी सिखाना होगा।

5. दूर रखें लाडले से बुरे सपने

अक्सर बच्चों को रात में डर लगता है, उन्हें बुरे सपने आते हैं। इसमें भी आप उनकी मदद कर सकती हैं। जब वह बिस्तर पर लेटे, तो आप भी उनके साथ लेट जाइए। उनसे बढ़िया-बढ़िया चीजों के बारे में सोचने के लिए कहिए।

धूल उड़ाता खाक छानता यह कौन है
शीशे की ऊंची दीवारों में यह किसका अक्स बना।
क्या यही है भारत का भविष्य
जो अपने सपनों को कचरे में बीन रहा।
इसका भविष्य संवरने में
लाखों करोड़ो खर्च हुए।
जिसे बचाने में समाज सेवी संस्था और नेतागण खड़े हुए।
फिर भी आज इन नन्हें हाथों से
अपनी पीठ पर थैली लादे
कचरा बीन पेट भरने को क्यों आज ये विवश हुए।
कौन है इसका जिम्मेदार
क्यों सारे प्रायोजन धरे रहे।

बेटियों पर पिता के पढ़ाने का सबसे ज्यादा असर होता है

वैसे तो होमवर्क कराने की जिम्मेदारी हमेशा मां के पास ही होती है। पर एक हालिया अध्ययन में यह खुलासा किया गया है कि होमवर्क कराने में यदि पिता मदद करे तो बच्चे ज्यादा इंटेलिजेंट होते हैं। खासतौर से बेटियों पर पिता के पढ़ाने का सबसे ज्यादा असर होता है।

यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के शोधकर्ताओं ने किया है। शोधकताओं का मानना है कि पिता के पढ़ाने का असर बेटे और बेटियों पर अलग-अलग होता है। मैथ्स में कमजोर बेटियां जहां गणित में बेहतर हो जाती हैं, वहीं बेटों की भाषा सुधर जाती है।

शोध में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह बात हर पिता पर लागू होती है। चाहे वह कम पढ़ा-लिखा, कम अंग्रेजी जानने वाला हो या ज्यादा पढ़ा-लिखा और अंग्रेजी की अच्छी समझ रखने वाला। शोधकर्ताओं के मुताबिक दरअसल, एक पिता जब अपनी बेटियों को पढ़ाता है तो उसमें सकारात्मकता बढ़ती है और खुद पर भरोसा भी मजबूत हो जाता है। इसका असर उनकी पढ़ाई की क्षमता पर दिखने लगता है। आत्मविश्वास बढ़ते ही उनके ग्रेड्स भी सुधरने लगते हैं। दूसरे विषयों में भी उनका प्रदर्शन सुधरने लगता है। वहीं, जो बेटे अपने पिता से पढ़ते हैं, उनकी भाषा और कॉन्फडिंस में बड़ा परिवर्तन देखा गया है।

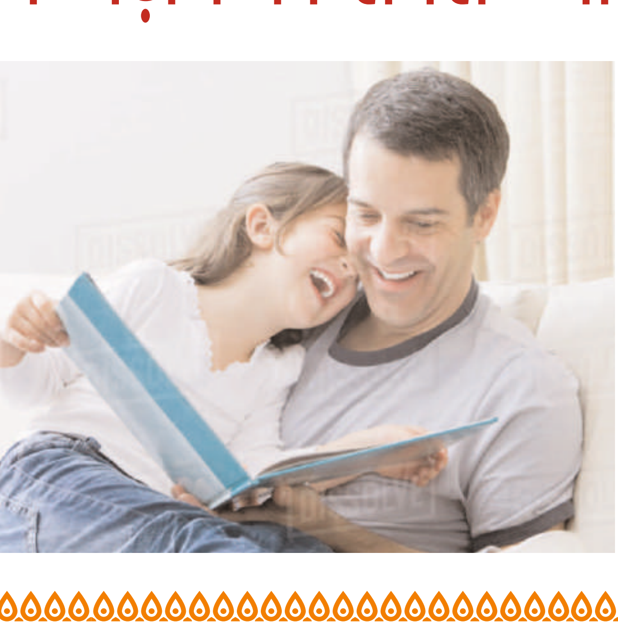

शोध के दौरान पिता से पढने वाले बच्चों का आत्मविश्वास ऐसे बच्चों के मुकाबले ज्यादा पाया गया, जो अपने पिता से नहीं पढ़ते।

शोध की रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि जो पिता अपने बच्चों के होमवर्क करने में मदद नहीं करते, उनके बच्चे बड़े होने पर उनसे खुलकर अपनी बात शेयर नहीं कर पाते।

फ्रांस का बैस्टिल डे मुंबई में मनाया गया: साझा मूल्यों और सांस्कृतिक आभा का उत्सव एवं कूटनीतिक रिश्तों और कला का जश्न

सीताराम मेवाती – मुंबई

फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस, बैस्टिल डे, जो हर वर्ष 14 जुलाई को मनाया जाता है, इस बार मुंबई के प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल में भव्यता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सौहार्दपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच आयोजित किया गया। इस अवसर ने भारत और फ्रांस के लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनयिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

मुंबई स्थित फ्रांस के कॉन्सुल जनरल, महामहिम जीन-मार्क सेरे-शार्ले ने समारोह की मेजबानी की। विभिन्न क्षेत्रों से आए विशिष्ट अतिथियों ने शाम की गरिमा बढ़ाई, जबकि डिप्टी प्रेस अटैशे स्नेहल अग्रवाल ने संयमित संचालन, सुसंस्कृत भाषा और रोचक संवाद शैली से कार्यक्रम को सुरुचिपूर्ण, जीवंत और सहभागितापूर्ण बनाए रखा।अपने संबोधन में फ्रांस के कॉन्सुल जनरल महामहिम जीन-मार्क सेरे-शार्ले भावुक होते हुए बोले, "मुंबई में यह मेरा अंतिम बैस्टिल डे है। यह शहर मेरे लिए सिर्फ़ एक जगह नहीं, बल्कि अनुभवों और भावनाओं का संगम है। यहाँ बिताए गए चार साल मेरी जिंदगी की अनमोल धरोहर हैं। इसकी सांस्कृतिक समृद्धि, जीवनशैली और विविधता ने मुझे और मेरे परिवार को गहराई से प्रभावित किया। मुंबई ने हमें खुले दिल से अपनाया, और हमने इसके हर रंग, हर सुर से प्रेम किया।"

उन्होंने आगे कहा, "फ्रांस हर प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच गहरा विश्वास और पारस्परिक सम्मान है। हम हालिया पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।"

उनकी विनम्रता और हिंदी शब्दों का सहज प्रयोग पूरे माहौल को भावनात्मक बना गया।

अपने संबोधन में महामहिम ने अपनी टीम के समर्पण की सराहना करते हुए विशेष रूप से डिप्टी कॉन्सुल जनरल सामी बुआकाज़ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने गर्व से बताया कि मुंबई का फ्रेंच कॉन्सुलेट दुनिया के सबसे व्यस्त दूतावासों में से एक है। भारतीय पर्यटकों को फ्रांस की सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, "हम लंबी अवधि के

वीजा देने को बढ़ावा दे रहे हैं—बशर्ते पासपोर्ट की वैधता पर्याप्त हो—ताकि भारतीय यात्री बार-बार फ्रांस की यात्रा कर सकें और उसके सौंदर्य का आनंद उठाते रहें।"इस संवाददाता से विशेष बातचीत में सेरे-शार्ले ने भारतीय सिनेमा के प्रति अपने गहरे लगाव को साझा किया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे बॉलीवुड बेहद पसंद है। मेरी पहली मुलाकात शाहरुख़ ख़ान से पेरिस में हुई थी और बाद में मुंबई में फिर से भेंट हुई। यहाँ मुझे कई दिग्गज फ़िल्मी सितारों से मिलने का अवसर मिला, जिनमें अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा, मैंने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों से भी सार्थक बातचीत की है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भेंट करना मेरे लिए एक विशेष अनुभव था।"

समारोह की मुख्य अतिथि और महाराष्ट्र की पूर्व मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने कहा, "बैस्टिल डे स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का प्रतीक है—ये वही मूल्य हैं जो भारत की मूल भावना से गहराई से जुड़े हैं। ऐसे आयोजन भारत और फ्रांस के सांस्कृतिक, आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं। महाराष्ट्र को इस बात पर गर्व है कि यह उत्सव मुंबई जैसे विविधता और वैश्विक जुड़ाव वाले शहर में मनाया जा रहा है।"

भारत में जन्मीं फ्रांसीसी नागरिक और बहुभाषी कलाकार काल्की कोचलिन—जो अभिनय, लेखन और निर्देशन का अद्भुत संगम हैं, उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, "मुझे बेहद खुशी और गर्व है कि फ्रांस कॉन्सुलेट ने मुझे इस महत्वपूर्ण अवसर पर आमंत्रित किया। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व—ये मूल्य केवल फ्रांस के नहीं, बल्कि भारत की आत्मा में भी गहराई से बसे हैं। बैस्टिल डे इस साझा सोच का उत्सव है, और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।"प्रख्यात डिज़ाइनर वैषाली एस, जो इस कार्यक्रम की विशेष अतिथि थीं और हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपना कलेक्शन प्रस्तुत कर चुकी हैं, ने अपने संबोधन में कहा,"इस प्रतिष्ठित आयोजन में आमंत्रित करने के लिए मैं कॉन्सुल जनरल की हृदय से आभारी हूँ। फ्रांस ने मुझे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने और अपने परिधानों को प्रस्तुत करने का अद्भुत अवसर दिया। पेरिस फैशन वीक में अपना कोट्यॉर प्रदर्शित करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था, और बैस्टिल डे के इस उत्सव का हिस्सा बनना उतना ही विशेष है। फ्रांस हमेशा मेरी रचनात्मकता को नई दिशा देता रहा है, और वैश्विक मंच पर भारतीय शिल्पकला का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। फैशन, भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक सेतु का सशक्त माध्यम है, और इस आयोजन में उपस्थित रहना मेरे लिए एक सुखद और यादगार अनुभव है।"

इस कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लज़ीज़ फ्रेंच व्यंजनों और सार्थक नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जिसने भारत और फ्रांस के बीच मित्रता, सहयोग और साझा मूल्यों की भावना को और मजबूत किया।

आ गई डेट! वॉर 2 का ट्रेलर इस तारीख को होगा रिलीज, सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

सैयारा (Saiyaara) के बाद एक बार फिर यशराज बड़े धमाके के लिए बिल्कुल तैयार है। अगस्त में उनकी स्पाई थ्रिलर ड्रामा फिल्म 'वॉर-2' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फर्स्ट पार्ट में टाइगर की एग्जिट के बाद अब इसके सीक्वल में साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एंट्री कर रहे हैं। फिल्म में उनके और ऋतिक रोशन के बीच जबरदस्त एक्शन देखने के लिए फैंस बेताब हैं।

कुछ दिनों पहले ही यशराज फिल्म्स में वॉर 2 से ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर के पोस्टर्स शेयर किए थे। अब फिल्म का ट्रेलर कब तक ऑडियंस के सामने आएगा, इस पर से भी पर्दा उठ चुका है।सेंसर बोर्ड से पास हुआ 'वॉर 2' का ट्रेलर

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर की इस फिल्म के ट्रेलर को रिलीज करने की सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेट ने मंजूरी दे दी है।

कैसे एक असिस्टेंट डायरेक्टर बना 'सैयारा' से ओवरनाइट सेंसेशन? बॉक्स ऑफिस पर मचा दिया तहलका

रोमांटिक फिल्में देखने के शौकीन लंबे समय से किसी प्यारी कहानी दिखाने वाली फिल्म का इंतजार कर रहे थे। इस बीच मोहित सूरी की निर्देशित सैयारा रिलीज हुई, जिसने ओपनिंग डे पर ही धमाल मचा दिया। बॉलीवुड के गलियारों में फिल्म की इतनी ज्यादा चर्चा हो रही है कि इसमें काम करने वाले स्टार्स के बारे में लोग ज्यादा जानकरी जुटाने में लगे हुए हैं। अनीत पड्डा और अहान पांडे फिल्म में लीड रोल में नजर आए हैं।

सैयारा फिल्म में अहान-अनीत की लव स्टोरी कई उतार-चढ़ाव से गुजरती है। यही कारण है कि दर्शकों मूवी की कहानी से जुड़ाव महसूस करते हैं। आइए जानते हैं कि डेब्यू फिल्म से छाने

बना सैयारा ने ओपनिंग डे (Saiyaara Opening Day Collection) पर 21 करोड़ का नेट कलेक्शन भारत में किया। इस साल की कई हिट फिल्मों को अहान पांडे स्टारर ने पीछे छोड़ दिया है। अहान पांडे बतौर एक्टर अपनी पहली फिल्म से ही लोगों के दिलों को जीतने में कामियाब हुए हैं।

अहान पांडे के बारे में बता दें कि वह बिजनेसमैन चिक्की पांडे और फिटनेस कोच और लेखक अहान की शिक्षा के बारे में बात करें, तो उन्होंने मुंबई के ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई पूरी की। द इकोनॉमिक टाइम्स की मानें, तो उन्होंने फिल्म और टेलीविजन निर्माण की पढ़ाई पूरी की है।

इन फिल्मों में कर चुके हैं बतौर डायरेक्टर काम

सैयारा से अहान पांडे ने बतौर एक्टर शुरुआत की है, लेकिन इससे पहले वह अपने करियर में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी

Shah Rukh के फैंस ने ली राहत की सास, नहीं घायल हुए बादशाह, जारी रहेगी King की शूटिंग

सिद्धार्थ आनंद (Siddharth Anand) की फिल्म किंग (King) बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म की कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है लेकिन अपनी दमदार स्टार कास्ट और अन्य खबरों की वजह से ये लगातार लोगों का ध्यान खींच रही है।

इसमें शाह रुख खान, सुहाना खान, रानी मुखर्जी, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अन्य कलाकार हैं। अब, एक हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शाहरुख और सुहाना जल्द ही स्कॉटलैंड में अपनी शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

किंग के सेट पर शाहरुख खान घायल

पहले खबर आई थी कि शाह रुख फिल्म के सेट पर घायल हो गए हैं। हालांकि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। एनडीटीवी की टीम ने इसकी सत्यता की जांच की और सच्चाई को जानने की कोशिश की।

एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया है कि यह सब झूठ है। सूत्र ने एनडीटीवी को बताया कि शाहरुख खान को पहले भी कई शूटिंग के दौरान चोटें लगी हैं, जिनमें से कुछ कभी-कभी फिर से उभर आती हैं। इलाज और देखभाल के लिए, वह अक्सर अमेरिका जाते रहते हैं। सूत्र ने आगे बताया कि वह जुलाई के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं और इस महीने के अंत तक उनके वापस लौटने की उम्मीद है।

अब कब होगी फिल्म की शूटिंग?

शाह रुख इस महीने के अंत तक वापस आकर शूटिंग फिर से चालू कर सकते हैं। वह ट्रीटमेंट और केयर के लिए अक्सर यूएस जाते रहते हैं इसलिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। इससे पहले भी ऐसी खबरें आई थीं कि शूटिंग के दौरान उनकी नाक में चोट लग गई थी, लेकिन सच्चाई यह थी कि यह नाक की मामूली सर्जरी थी, न कि शूटिंग के दौरान लगी चोट।

किंग एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें शाह रुख खान अपने पठान निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ फिर से नजर आएंगे। इस फिल्म से शाह रुख की बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी जिन्होंने द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। आर्चीज साल 2023 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

Saiyaara की सुनामी से डरे अजय देवगन? इस फिल्म से होगी अब Son of Sardaar 2 की टक्कर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रेड 2 के हिट होने के बाद अब हर किसी की नजरें एक्टर की कुछ मोस्ट अवेटेड फिल्मों पर है। इनमें से एक सन ऑफ सरदार 2 भी है। इसके पहले पार्ट को सिनेमाघरों ने भरपूर प्यार दिया था। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। इस बीच अब अजय देवगन की मूवी की रिलीज डेट पर बड़ा अपडेट आया है। फैंस इसके बारे में जानने के बाद थोड़े निराश भी हो सकते हैं।

एक्टर अजय देवगन के फैंस उनकी फिल्म सन ऑफ सरदार के सीक्वल (Son of Sardaar 2) का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब इस बात की जानकारी सामने आई है कि इस फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव हुआ है और इसके कारण आपको फिल्म के लिए थोड़ा लंबा इंतजार करना होगा।कब रिलीज होगी सन ऑफ सरदार 2?

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है। पहले मूवी को 25 जुलाई के दिन सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। लेकिन अब इसकी रिलीज डेट में बदलाव हो चुका है। सन ऑफ सरदार 2 अब सिनेमाघरों में 25 जुलाई को दस्तक देगी।

अजय देवगन की फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव होने के पीछे की वजह सैयारा फिल्म को बताया जा रहा है।

अहान पांडे की फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। शायद मेकर्स ने इसकी सुनामी को देखकर रिलीज डेट में बदलाव करने का फैसला लिया है।

क्या सैयारा फिल्म से डर गए मेकर्स?

अजय देवगन और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म के मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा यह कदम उठाया है, क्योंकि बिजनेस के हिसाब से यह जरूरी है। जब तक सैयारा का क्रेज शायद लोगों के बीच थोड़ा कम हो जाएगा और सन ऑफ सरदार 2 को दर्शकों की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने पिंकविला को जानकारी दी कि मेकर्स ने यह फैसला सोच-समझकर लिया है और जल्द ही इसकी नई रिलीज डेट का आधिकारिक एलान किया जाएगा।

धड़क 2 से होगी सन ऑफ सरदार 2 की टक्कर

अजय देवगन की फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर धड़क 2 से होगी। ऐसे में देखना होगा कि दोनों में से कौन-सी फिल्म ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करती है। इन दिनो सिनेमा लवर्स सैयारा को भरपूर प्यार दे रहे हैं।

दूरगामी महत्वाकांक्षी दृष्टि: भारत 2035 तक बनेगा वैश्विक स्वास्थ्य और वेलनेस पर्यटन केंद्र

सीताराम मेवाती

भारत ने 2035 तक स्वयं को दुनिया के सबसे विश्वसनीय चिकित्सा और वेलनेस यात्रा गंतव्य के रूप में स्थापित करने का एक साहसिक रोडमैप प्रस्तुत किया है। हील इन इंडिया 2025 मेडिकल एंड वेलनेस टूरिज्म समिट में फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FHRAI) ने KPMG के साथ मिलकर अपनी प्रमुख रिपोर्ट 'हील इन इंडियाः कैटालाइजिंग मेडिकल एंड वेलनेस टूरिज्म फॉर ए हेल्दियर ग्लोबल फ्यूचर' जारी की। "अनलॉकिंग द पोटेंशियल ऑफ मेडिकल एंड वेलनेस टूरिज्म" थीम पर आयोजित इस सम्मेलन में स्वास्थ्य, आतिथ्य और नीतिगत जगत के नेताओं ने भाग लिया। इस समारोह के मुख्य अतिथि सुमन बिल्ला, आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक, पर्यटन मंत्रालय ने कहा कि भारत को अस्पतालों, होटलों और फैसिलिटेटर्स को एक भरोसेमंद ढाँचे में जोड़ना होगा। उन्होंने कहा, "हमें केवल दक्षता ही नहीं, बल्कि संवेदना और देखभाल भी प्रदर्शित करनी होगी।" उन्होंने टियर-1 शहरों से आगे बढ़कर छोटे क्लस्टर्स तक उच्च स्तरीय रोगी देखभाल पहुँचाने पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज नेसरी ने आयुर्वेद, योग और पारंपरिक चिकित्सा में भारत की ताकत को रेखांकित करते हुए इन प्रणालियों को वैश्विक ब्रांडिंग की आवश्यकता बताई।

FHRAI के अध्यक्ष के. स्यामा राजू ने 'हील इन इंडिया' को "नेशन ब्रांडिंग का अवसर" बताया, जबकि KPMG के सोमेश्वर कौंडिन्य ने इसे "कॉल टू एक्शन" कहते हुए एकीकृत नीति, डिजिटल हेल्थ और वेलनेस पहलों के माध्यम से भारत को "विश्व की हीलिंग कैपिटल" बनाने की वकालत की। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत का मेडिकल टूरिज्म मार्केट 2025 के 18.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2035 तक 58.2 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो सालाना 12.3% की दर से बढ़ेगा। भारत पहले से ही 75+ देशों से हर साल 20 लाख मेडिकल टूरिस्ट आकर्षित करता है और 2024 में 4.63 लाख से अधिक मेडिकल वीजा जारी किए गए। मेडिकल टूरिज्म में भारत दुनिया में 10वें और वेलनेस टूरिज्म में 7वें स्थान पर है। थाईलैंड, तुर्की और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा करते हुए भारत अपनी किफायती और समग्र देखभाल—आयुर्वेद, योग और पंचकर्म के एकीकरण—से अलग पहचान बनाता है।

रणनीतिक सिफारिशों में राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय हील इन इंडिया मिशन बनाना, केरल, एनसीआर और महाराष्ट्र में वेलनेस क्लस्टर स्थापित करना, टियर-2 शहरों तक अधोसंरचना विस्तार और दूतावासों व डिजिटल कैंपेन के जरिए वैश्विक ब्रांडिंग शामिल हैं। रोडमैप में टैक्स छूट, एफडीआई सुविधा और हेल्थ-टेक इनोवेशन ग्रांट जैसे प्रोत्साहन भी सुझाए गए हैं।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों, जिनमें प्रोफेसर मीनू बजपाई और डॉ. ब्लॉसम कोचर शामिल थे, ने क्लीनिकल एक्सीलेंस और ब्यूटी व वेलनेस-आधारित टूरिज्म जैसे उभरते क्षेत्रों पर जोर दिया। विंडहैम होटल्स के राहुल मैकारियस ने आतिथ्य क्षेत्र की तैयारियों पर विश्वास जताया कि वह सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और रिकवरी-केंद्रित सेवाएँ प्रदान कर सकता है।

फेयरफील्ड बाय मैरियट मुंबई में पाठारे प्रभु व्यंजनों का उत्सव: 700 वर्षों की विरासत का स्वाद

सीताराम मेवाती – मुंबई

फेयरफील्ड बाय मैरियट होटल, मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई के खाद्य प्रेमियों को सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि शहर के समृद्ध पाक कला इतिहास के पन्नों में उतरने का निमंत्रण दे रहा है। होटल के सिग्नेचर रेस्टोरेंट माडो माडो में आयोजित पाठारे प्रभु फूड फेस्टिवल मुंबई की पाक विरासत का उत्सव है।

शहर के सबसे पुराने और सांस्कृतिक रूप से संपन्न समुदायों में से एक, पाठारे प्रभु, अपने अनूठे तटीय स्वाद और जटिल मसाला संयोजनों के लिए प्रसिद्ध है। यह उत्सव भोजन को परंपरा, स्वाद और पीढ़ियों से चली आ रही रेसिपी के साथ जोड़कर एक अविस्मरणीय अनुभव का वादा करता है। यह फूड फेस्टिवल 18 जुलाई से 27 जुलाई 2025 तक

डिनर के समय आयोजित किया जाएगा और यह बुफे होगा।

इस फेस्टिवल को क्यूरेट किया है मशहूर शेफ बिंबा नायक ने, जिन्हें पाठारे प्रभु रसोई की "जीवित विश्वकोश" कहा जाता है। 52 वर्षों के अद्वितीय पाक अनुभव वाली शेफ बिंबा नायक न केवल इन व्यंजनों को संरक्षित करने के लिए जानी जाती हैं, बल्कि हर डिश के पीछे की कहानी मेहमानों को स्वयं सुनाएँगी। यह सिर्फ एक बुफे नहीं, बल्कि सांस्कृतिक यात्रा है।

फेस्टिवल में मेहमान कई प्रकार की डिशों का स्वाद ले सकते हैं जिनमे मटन सुखे, सुरमई फ्राई, रावस मेथकुटाचे, वांगी पंचामृताची और अननस सांभारे जैसे प्रसिद्ध व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण है लाइव उकडीचे मोदक स्टेशन, जहां परंपरागत भाप में पके मोदक आपके सामने ताज़ा तैयार किए जाएँगे।

शेफ बिंबा नायक कहती हैं, "विरासत को कभी भुलाया नहीं जाना चाहिए—खासकर जब उसका स्वाद इतना लाजवाब हो। हमारा फेस्टिवल पाठारे प्रभु के उन स्वादों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, जिन्होंने मुंबई की पाक पहचान बनाई और उन्हें सच्चे मायनों में मंच मिलना चाहिए।"

फेयरफील्ड बाय मैरियट होटल, मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जनरल मैनेजर इफ़्तेख़ार मेहदी ने कहा, "हम फेयरफील्ड में स्थानीय ख़ज़ानों से लेकर वैश्विक स्वादों तक, श्रेष्ठ पाक कला अनुभव प्रस्तुत करने पर गर्व महसूस करते हैं। पाठारे प्रभु भोजन वास्तव में एक अनमोल रत्न है, जो अपने विशिष्ट और परिष्कृत स्वाद के लिए सराहा जाता है।

श्रावण माह के निकट आने के साथ, जब कई लोग मांसाहार से परहेज करते हैं, यह फेस्टिवल मुंबईकरों को उस विरासत का स्वाद पहले से चखाने का एक अवसर है।

शेफ बिंबा नायक, जो पाठारे प्रभु व्यंजनों की एक सच्ची प्राधिकृत हस्ती हैं, उनकी विशेषज्ञता में हम खोई हुई रेसिपी को पुनर्जीवित कर एक अमूल्य परंपरा को साझा करना चाहते हैं।"

जो लोग सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि उसके इतिहास की तलाश करते हैं, उनके लिए यह फेस्टिवल एक खाने योग्य इतिहास-पुस्तक है, जहाँ हर कौर के साथ एक नई कहानी खुलती है।

SPORTS खेल जगत

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट, एकादश में शामिल हो सकते हैं बुमराह

ऋषभ पंत के चौथे टेस्ट में भारत के लिए खेलने की उम्मीद

नई दिल्ली,
तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पांच टेस्ट की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए लॉडर्स में खेले गए सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट और दूसरी में भी दो विकेट सहित इसमें कुल सात विकेट चटकाने के बावजूद भारत मेजबान इंग्लैंड से तीसरा टेस्ट 22 रन से हार सीरीज में 1-2 से पिछड़ गया है। बुमराह के लीड्स में सीरीज के पहले टेस्ट में पहली पारी में पांच विकेट चटकाने के बावजूद भारतीय टीम इंग्लैंड से पांच विकेट से हार कर सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई थी। कार्यभार प्रबंधन के चलते बुमराह को मौजूदा सीरीज में तीन ही टेस्ट खेलने हैं और इसी के चलते वह बर्मिंघम में सीरीज के दूसरे टेस्ट में नहीं खेले थे लेकिन बावजूद इसके भारत ने 336 रन से जीत के साथ सीरीज में एक एक की बराबरी पर ली थी। अब 23 जुलाई से मैनचेस्टर, ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू हो रही सीरीज के चौथे टेस्ट से पहले भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वह इसमें बुमराह को अपनी एकादश में शामिल करेगा या फिर आराम देगा क्योंकि सीरीज दांव पर है। भारत यदि मैनचेस्टर में सीरीज का चौथा टेस्ट भी हार गया तो फिर इंग्लैंड 3-1 निर्णायक बढ़त के साथ सीरीज अपने नाम कर लेगा। ऐसे में संकेत यही हैं कि भारत बुमराह को चौथे टेस्ट में अपनी एकादश में शामिल कर इसमें इंग्लैंड के खिलाफ जीत के साथ सीरीज में दो दो की बराबरी पाने की पुरजोर कोशिश करेगा। भारत के लिए अपने टेस्ट करियर का आगाज करने की बाट जोह रहे नवोदित बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बुधवार को साई सुदर्शन के तेज शॉट को रोकने की कोशिश में उंगलियों में चोट खा बैठे। आकाश दीप की फिटनेस को लेकर कुछ सवालिया निशान हैं और ऐसे में भारत को जसप्रीत बुमराह को चौथे टेस्ट में भी एकादश में शामिल करने का बड़ा दांव खेलना पड़ेगा

भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को मैनचेस्टर पहुंचेगी, भारत के सहायक कोच रेयन टेन दोइत्श ने बेकेनहम में कहा, 'हम मैनचेस्टर पहुंच ही बुमराह के चौथे टेस्ट में भी अपनी अंतिम एकादश में शामिल करने का फैसला लेगे। हमें मालूम हैं कि बुमराह हमें मौजूदा सीरीज के आखिरी दो में से अब किसी एक ही टेस्ट के उपलब्ध हैं और चूंकि अब सीरीज निर्णायक मोड़ पर है और ऐसे में मैनचेस्टर चेस्ट में उन्हें एकादश में शामिल करने की संभावना खासी मजबूत है। बावजूद इसके हमें कई पहलुओं को ध्यान में रखना होगा कि मसलन चौथे टेस्ट में कितने दिन खेल मुमकिन होगा और किस संयोजन से हमारी टीम की जीत की संभावना बढ़ेगी और ओवल टेस्ट को भी जेहन में रखना होगा।'. तीसरे और चौथे टेस्ट के बीच भी आठ दिन का अंतर है लेकिन पूरा फोकस एक बार फिर भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर है। भारतीय टीम प्रबंधन के सामने चुनौती है उसके न केवल बुमराह बल्कि अपने दूसरे तुरुप के तेज गेंदबाज मौजूदा टेस्ट सीरीज में 109 ओवर फेंक तीन टेस्ट में 13 विकेट चटका चुके मोहम्मद सिराज के कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान देने की जरूरत है। लॉडर्स टेस्ट में में खेलने वाले भारत के तीनो तेज गेंदबाजों- जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज अर आकाशदीप ने हल्की फुल्की एक्सरसाइज की लेकिन गेंदबाजी अभ्यास नहीं किया। ऐसी खबरें हैं कि लॉडर्स में सीरीज के तीसरे टेस्ट में खेलने वाले आकाश दीप की फिटनेस को लेकर कुछ सवाल है ही अपने टेस्ट करियर के अ ागाज की बाट जोह रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी अपने बाएं हाथ में चोट खा बैठे हैं।

पंत मैनचेस्टर में विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो बतौर बल्लेबाज न खेलें : शास्त्री

नई दिल्ली। मैनचेस्टर टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के उप-कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम के उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह चौथे टेस्ट से पहले मैच के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी लेने के लिए आश्वस्त न हो जाएं। तीसरे टेस्ट में पंत ने 74 और 9 रन की पारी खेली थी। खेल के दौरान उन्हें बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह मैच के बाकी समय विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत कर सकता है सीरीज बराबर: मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी कर सकती है। उन्होंने ये भी माना कि हार के बाद घबराहट से टीम का लय बिगड़ सकता है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय टीम की मजबूती की तारीफ की और कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व और बल्लेबाजी की सराहना की। कैफ ने टीम के सिलेक्शन की वकालत की और टीम प्रबंधन को हार के बाद जल्दबाजी में फैसले न लेने की सलाह दी।

लॉड्र्स में जडेजा की पारी से खुश : गंभीर

लंदन। इंडियन क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम के अन्य सदस्यों संग ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की लॉर्ड्स टेस्ट में खेली गई अविश्वसनीय पारी को खूब सराहा। लॉर्ड्स टेस्ट के आखिरी दिन जडेजा ने 181 गेंदों का सामना किया और नाबाद 61 रन बनाए। उनकी पारी में कभी नहीं लगा कि वह संघर्ष कर रहे हैं। भारत को जीत दिलाने की उनकी तत्परता बल्लेबाजी में साफतौर पर देखने को मिली। हालांकि, जडेजा की पारी भारत को जीत नहीं दिला सकी। सीरीज में भारत 2-1 से पिछड़ गया है।शुक्रवार को बीसीसीआई.टीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कोच गंभीर ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय मुकाबला था। जड्डू का संघर्ष बिल्कुल शानदार था। जडेजा ने 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को जीत की दौड़ में बनाए रखने में जबरदस्त धैर्य दिखाया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि टीम में एक खिलाड़ी के रूप में, जड्डू भाई क्षेत्ररक्षण, गेंदबाजी और बल्लेबाजी में असाधारण हैं। बल्लेबाजी में जो सुधार आया है, वह टीम के लिए हर महत्वपूर्ण परिस्थिति में रन बनाते हैं। टीम के लिए ऐसा खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। हम भाग्यशाली हैं कि हमारी टीम में ऐसा खिलाड़ी है। सहायक कोच रयान टेन डोएशेट ने कहा कि जडेजा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ 35 और 23 रनों की आक्रामक साझेदारियां भी की। उनकी बल्लेबाजी अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है।

2012 में स्टार्क ने सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज को अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया था: पोंटिंग

स्टार्क की गति और उछाल ने तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी को भी मुश्किल में डाल दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि स्टार्क में कुछ खास प्रतिभा है : रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपने 100वें टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने उनकी गेंदबाजी की तारीफ की। पोंटिंग ने 2012 के भारत-ऑस्ट्रेलिया दौरे का जिक्र किया, खासकर पर्थ टेस्ट में स्टार्क के स्पैल को याद करते हुए, जहां उन्होंने सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज को अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया था। पोंटिंग ने कहा कि उस स्पैल ने स्टार्क की असाधारण प्रतिभा और भविष्य में महानता की क्षमता को स्पष्ट कर दिया था। जमैका में गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट मैच में मिचेल स्टार्क ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मात्र 15 गेंदों में 5 विकेट लिए और 6/9 के आंकड़े के साथ वेस्टइंडीज को 27 रन पर समेट दिया, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। इस शानदार प्रदर्शन ने उनकी गति, स्विंग और आक्रामकता को दर्शाया। रिकी पोंटिंग ने 2012 के (पर्थ) टेस्ट की दूसरी पारी का जिक्र किया, जहां स्टार्क, जो उस समय अपना केवल तीसरा टेस्ट खेल रहे थे। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को निशाना बनाया। स्टार्क ने तेंदुलकर के कंधे पर सटीक गेंदबाजी कर उन्हें दबाव में ला दिया था, जिससे उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास का पता चला।रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में 2012 के वाका टेस्ट में मिचेल स्टार्क के शानदार स्पेल को याद किया, जहां स्टार्क ने सचिन तेंदुलकर जैसे महान बल्लेबाज को परेशान किया। उन्होंने बताया कि स्टार्क ने एक शॉर्ट गेंद फेंकी, जो तेंदुलकर की बगल के नीचे से उठी और लेग साइड में शॉर्ट लेग पर चली गई। पोंटिंग ने कहा कि स्टार्क की गति और उछाल ने तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी को भी मुश्किल में डाल दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि स्टार्क में कुछ खास प्रतिभा है। यह स्पेल उनकी असाधारण क्षमता का प्रारंभिक संकेत था।

बोत्सवाना, महिला टी-20 विश्वकप अफ्रीका डिवीजन 2 क्वालीफायर की करेगा मेजबानी

2026 में होने वाले विस्तारित सीनियर महिला टी-20 विश्वकप के लिए अफ्रीकी देशों की टीमें 20 से 26 जुलाई तक बोत्सवाना की मेजबानी में होने वाले अफ्रीका के डिवीजन 2 के क्वालीफायर में भिड़ेंगी। बोत्सवाना क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के ओवल 1 और ओवल 2 मैदान, जो एक-दूसरे से सटे हैं, रवांडा, बोत्सवाना, सिएरा लियोन, कैमरून, मलावी, मोजम्बिक, एस्वातिनी और लेसोथो की सीनियर महिला क्रिकेट टीमों की मेजबानी करेंगे। टीमों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें क्रॉस-ओवर सेमीफाइनल और प्लेसमेंट प्लेऑफ शामिल हैं। सात दिनों में कुल 20 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की विजेता और उपविजेता टीमें आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप अफ्रीका डिवीजन वन क्वालीफायर में भाग लेंगी, जो इस वर्ष 31 अगस्त से छह सितंबर तक नामीबिया में आयोजित किया जाएगा।

भारत 'ए' हॉकी टीम नीदरलैंड से हारी

नई दिल्ली,
संजय के इकलौते गोल के बावजूद भारत ए हॉकी टीम अपने यूरोपीय दौरे में एंटवर्पन में मेजबान बेल्जियम से 1-3से हार गई। भारत ए की यूरोपीय दौरे पर यह लगातार तीसरी हार है। भारत की टीम इससे पहले फ्रांस से दूसरे मेच में 0-2 से और इंग्लैंड से 2-3 से तथा अब बेल्जियम से हार गई। बेल्जियम ने पहले ही क्वॉर्टर में तीन गोल दाग कर 3-0 की बढ़त ले ली थी। भारत ए इसके बाद बराबर दबाव बनाने और गेंद पर बराबर अपना कब्जा बनाए रखने की बावजूद आखिरी क्वॉर्टर में मैच का इकलौता गोल ही कर पाई।

भारत ए के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, 'ढीले आगाज के बावजूद पूरा मैच बहुत बढ़िया रहा। हमने शुरू में ही मैच में तीन गोल खा लिए लेकिन हमने दूसरे मैच पर नियंत्रण बना दूसरे हाॅ में मैच में बढ़िया वापसी की। हमें अपनी फिनिशिंग बेहतर करने की जरूरत है। हमारे इन नौजवान खिलाड़ियों पर बहुत दबाव है क्योंकि वे दुनिया की कुछ श्रेष्ठ टीमों और खिलाड़ियों का सामना कर रहे हैं। हमारे लिए यह यूरोपीय दौरा अपने नौजवान खिलाड़ियों को तैयार करने और अपनी पूरी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करने मे मदद करने का मौका है।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को आठ विकेट से रौंदा

हरारे। मैट हेनरी (तीन विकेट) के बाद डेवोन कॉन्वे (नाबाद 59) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 37 गेंदे शेष रहते जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हरा दिया।121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में टिम सीफर्ट (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने मोर्चा संभाला। उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में टी मपोसा ने रचिन रविंद्र को आउटकर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। रचिन ने 19 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाये। इसके बाद डैरिल मिचेल 19 गेंदों में (नाबाद 26) और डेवोन कॉन्वे 40 गेंदों में (नाबाद 59) की जोड़ी ने और कोई विकेट नहीं गिरने दिया। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जिम्बाब्वे की ओर से टी मपोसा और ब्लेसिंग मुजारबानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पुरुष वॉलीबॉल नेशंस लीग में ईरान ने चीन को हराया

वारसॉ। पोलैंड के ग्दांस्क में गुरुवार को पुरुष वॉलीबॉल नेशंस लीग के प्रारंभिक चरण में चीन को ईरान से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा।
मोर्टजा शरीफी ने खेल में सर्वाधिक 15 अंक बनाकर ईरान का नेतृत्व किया, जबकि अमीरहुसैन एस्फानदियार ने 12 अंक बनाए। चीन के कप्तान जियांग चुआन ने 11 अंक बनाए, जबकि मिडिल ब्लॉकर ली योंगजेन उनसे सिर्फ एक अंक पीछे रहे। शुरुआती सेट में, चीन एक चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी साबित हुआ, क्योंकि जियांग के स्पाइक ने उन्हें 18-16 की बढ़त दिला दी, लेकिन रॉबर्टो पियाजा की टीम ने शरीफी के ऐस की बदौलत 19-19 से बराबरी कर ली।

ग्लेन फिलिप्स जिम्बाब्वे दौरे से बाहर

के बल्लेबाजी ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) फाइनल में अपनी दाहिनी कमर में चोट खा बैठे। जिम्बाब्वे पहुंचने पर फिलिप्स की जांच की गई और धीरे-धीरे यह तय हुआ कि उन्हें पुनर्वास के लिए कुछ हफ्तों की जरूरत होगी। टिम रॉबिन्सन, जो पहले से ही उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जो एमएलसी फाइनल के लिए कवर के तौर पर टीम में शामिल हुए थे, टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के बाकी मैचों के लिए टीम के साथ बने रहेंगे। माइकल ब्रेसवेल, फिलिप्स, मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी एमएलसी फाइनल में खेल रहे थे, इसलिए कई खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया था।फिलिप्स टेस्ट टीम का भी हिस्सा थे, और आईसीसी की एक खबर के अनुसार, टीम में उनके प्रतिस्थापन की घोषणा समय आने पर की जाएगी। ब्लैक कैप्स के मुख्य कोच रॉब वाल्टर्स ने फिलिप्स के लिए संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्लेन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को खोना निश्चित रूप से निराशाजनक है। फिन (एलन) की तरह, हमें ग्लेन के लिए बहुत दुख है और यह कि वह इस सीरीज से बाहर हो गए। वाल्टर्स ने कहा कि हम जानते हैं कि वह ब्लैक कैप्स के लिए मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक थे, लेकिन दुर्भाग्य से, वह इस सीरीज में ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वह मैदान पर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, और मैं उस समय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं जब ऐसा होगा। फिलिप्स, जिमी नीशम और मिच हे के साथ न्यूजीलैंड लौटेंगे, दोनों ही एमएलसी फाइनल में खेलने वाले खिलाड़ियों के कवर के तौर पर जिम्बाब्वे में थे।

पीसीबी ने महिला टीम के लिए 2025-26 सीजन के कार्यक्रम की घोषणा की

इस्लामाबाद,
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को 2025-26 सीजन के लिए महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 और महिला टी-20 विश्वकप 2026 सहित अन्य श्रृंखलों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है । पीसीबी के अनुसार पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय सत्र इस अगस्त में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के साथ शुरू होगा। महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की अपनी तैयारियों के तहत, पाकिस्तान टूर्नामेंट के आधिकारिक अभ्यास मैचों से ठीक पहले, सितंबर के मध्य में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। इसके बाद पाकिस्तान टीम श्रीलंका जाएगी, जहाँ उसे दो से 24 अक्टूबर तक अपने सात लीग चरण के मैच खेलने हैं और अगर वे आगे बढ़ते है तो 29 अक्टूबर को सेमीफाइनल और दो नवंबर को फाइनल होगा। महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के समापन के साथ ही आईसीसी महिला चैंपियनशिप का एक नया चक्र शुरू हो जाएगा। पाकिस्तान की टीम फरवरी-मार्च 2026 में छह मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी।

ग्लूस्टरशायर के स्पिनर टॉम स्मिथ ने संन्यास की घोषणा की

ब्रिस्टल,
ग्लूस्टरशायर के दिग्गज गेंदबाज टॉम स्मिथ ने टी-20 ब्लास्ट में अपनी टीम के अभियान की समाप्ति के साथ ही पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। चेल्टेनहैम कॉलेज में विटैलिटी ब्लास्ट में ससेक्स शार्क्स के खिलाफ ग्लूस्टरशायर का मैच उनका आखिरी मैच होगा। टॉम स्मिथ ने 2015 में टीम के रॉयल लंदन वनडे कप और पिछले सीजन में टी-20 ब्लास्ट जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वह क्लब के लिए टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। ग्लूस्टरशायर के लिए टॉम स्मिथ ने करियर की शुरुआत 12 साल पहले ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ हुए एक अभ्यास मैच से की थी। क्लब के लिए सभी प्रारूपों में वह अब तक 301 विकेट ले चुके हैं। टी20 में उनके नाम 154 विकेट दर्ज हैं। क्लब की वेबसाइट के लिए लिखे एक पत्र में स्मिथ ने लिखा, ऐसा लगता है कि यह सही समय है। पिछले कुछ सीजन में, मुझे खेलने के साथ-साथ कोचिंग करियर बनाने का सौभाग्य मिला है और अब मैं उस पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने लिखा, ग्लूस्टरशायर का मुझ पर विश्वास करने के लिए शुक्रिया। पिछले 13 सीजन मेरे और मेरे परिवार, दोनों के लिए बेहद खास रहे हैं।

चेल्टेनहैम कॉलेज में विटैलिटी ब्लास्ट में ससेक्स शार्क्स के खिलाफ ग्लूस्टरशायर का मैच उनका आखिरी मैच होगा

विंबलडन 2025 जीतकर स्वियाटेक ने हासिल कीं कई अविश्वसनीय उपलब्धियां

स्वियाटेक अमेरिका की सेरेना विलियम्स के बाद तीनों सतहों पर मेजर खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं

वारसॉ,
(एजेंसियां)। पोलैंड की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने विंबलडन का खिताब जीतकर कई अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इगा स्वियाटेक ने इस साल ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विम्बलडन खिताब जीता और इस दौरान कई तरह उपलब्धियां हासिल कीइगा स्वियाटेक तीनों सतहों 'क्ले, हार्ड और ग्रास' पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला हैं। उन्होंने 2020, 2022, 2023 और 2024 में रौलां गैरो में क्ले कोर्ट पर चार, 2022 में यूएस ओपन में हार्ड कोर्ट पर एक और अब 2025 में विंबलडन में ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता है। 24 वर्षीय स्वियाटेक अमेरिका की सेरेना विलियम्स के बाद तीनों सतहों पर मेजर खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। सेरेना 20 साल की थीं जब उन्होंने 2002 में विंबलडन (ग्रास कोर्ट पर) में अपना सरफेस स्लैम पूरा किया था। इससे पहले उन्होंने 1999 में यूएस ओपन (हार्ड कोर्ट पर) और 2002 में रौलां गैरो (क्ले कोर्ट पर) जीता था।वह तीन अलग-अलग तरह के टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। वह अभी तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाई हैं।अब उनके पास इस सदी में किसी महिला टेनिस खिलाड़ी द्वारा जीते गए चौथे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने मारिया शारापोवा, जिन्होंने पांच ग्रैंड स्लैम जीते थे, को पीछे छोड़ा है। वह अब केवल सेरेना (जिन्होंने इस सदी में अपने 23 में से 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं), वीनस विलियम्स (जिन्होंने सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) और जस्टिन हेनिन (जिन्होंने भी सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) से पीछे हैं। 2018 में जूनियर वर्ग जीतने के बाद, इगा ओपन एरा में विंबलडन में लड़कियों और महिलाओं दोनों का खिताब जीतने वाली केवल चौथी महिला हैं। वह मार्टिना हिंगिस (1994 और 1997), एमिली मौरेस्मो (1996 और 2006) और एश्ले बार्टी (2011 और 2021) के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गईं। वह पिछले चार वर्षों से, 2022 से 2025 तक, हर साल कम से कम एक खिताब जीत रही हैं।

ओन्स जबेउर ने अचानक टेनिस से लिया ब्रेक

नई दिल्ली। दो बार विंबलडन का फाइनल खेल चुकी ओन्स जबेउर ने टेनिस से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की है। उन्होंने यह फैसला स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लिया है। 29 साल की ओन्स जबेउर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पिछले दो सालों से, मैं खुद को बहुत मेहनत से आगे बढ़ा रही हूं, चोटों से जूझ रही हूं और कई अन्य चुनौतियों का सामना कर रही हूं। लेकिन, अंदर से खुशी महसूस नहीं कर रही हूं। उन्होंने आगे लिखा, टेनिस एक बहुत ही खूबसूरत खेल है। लेकिन, मुझे लगता है कि एक कदम पीछे हटने और खुद को प्राथमिकता देने का समय आ गया है। सांस लेने, ठीक होने और बस जीने के आनंद को फिर से खोजने का समय आ गया है। यह अलविदा नहीं, बल्कि एक विराम है। मैं आप सभी से जुड़ी रहूंगी और इस सफर को आप सभी के साथ साझा करूंगी। आपका समर्थन और प्यार मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं इसे हमेशा अपने साथ रखती हूं। जबेउर को कोर्ट पर अपनी कलात्मकता, चतुर ड्रॉप शॉट के साथ-साथ विनम्रता और हास्य के लिए भी जाना जाता है। 2022 में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में करियर के सर्वोच्च दूसरे स्थान पर उनका उदय अरब और अफ्रीकी टेनिस के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। बता दें कि जबेउर न सिर्फ ट्यूनीशिया की बल्कि अरब और अफ्रीका की पहली महिला हैं, जिन्होंने विंबलडन का फाइनल खेला है। उनकी यह घोषणा विंबलडन के पहले दौर में बाहर होने के बाद आई है, जहां उन्हें विक्टोरिया टोमोवा के खिलाफ चोट के कारण रिटायर होना पड़ा था। यह क्षण विशेष रूप से मार्मिक था क्योंकि जबेउर का ऑल इंग्लैंड क्लब के साथ भावनात्मक जुड़ाव है।

अगस्त में आएगा एक्सेल एंटरटेनमेंट की फरहान अख्तर स्टारर 120 बहादुर का टीजर, वॉर 2 के साथ थिएटर में देखने मिलेगी झलक !

फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में गिना जाता है। केजीएफ फ्रेंचाइजी जैसी बड़ी हिट फिल्मों को बनाने वाले इस बैनर ने हमेशा ऐसी फिल्में दी हैं, जो पूरे देश के दर्शकों को पसंद आई हैं। अब सबकी नजरें उनके अगले बड़े प्रोजेक्ट 120 बहादुर पर हैं, जिसमें फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।इस साल नवंबर में बड़े पैमाने पर रिलीज होने जा रही यह फिल्म पहले ही फैन्स के बीच काफी उत्साह बना चुकी है। इसी बीच खबर है कि एक्सेल एंटरटेनमेंट अगस्त के पहले हफ्ते में 120 बहादुर का टीजर लॉन्च करने की तैयारी में है।माना जा रहा है कि 120 बहादुर का टीजर लॉन्च काफी बड़े स्तर पर होगा, जिसके लिए मुंबई में एक खास और भव्य इवेंट की तैयारी की जा रही है। बताया गया है कि 120 बहादुर एक बड़े स्तर की एक्शन फिल्म है और मेकर्स ने इसके अहम एक्शन सीन के लिए इंटरनेशनल टीम को भी साथ लिया है, ताकि फिल्म में कोई कमी न रहे। लक्ष्य के बाद यह एक्सेल की एक और आर्मी पर बनी फिल्म है और पूरी टीम को इसके सिनेमाघरों में अच्छे प्रदर्शन की पूरी उम्मीद है।

माना जा रहा है कि 120 बहादुर का टीजर लॉन्च बड़े स्तर पर होगा, जिसके लिए मुंबई में एक खास और भव्य इवेंट की तैयारी की गई है, ताकि प्रमोशन की शुरुआत दमदार हो सके। सूत्रों के मुताबिक, ₹120 बहादुर एक बड़े स्तर की एक्शन फिल्म है और मेकर्स ने इसके खास एक्शन सीन के लिए इंटरनेशनल टीम को भी साथ लिया है, ताकि फिल्म में कोई कमी न रहे। लक्ष्य के बाद यह एक्सेल की एक और आर्मी पर बनी फिल्म है और पूरी टीम को सिनेमाघरों में इसके अच्छे प्रदर्शन की पूरी उम्मीद है।₹फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) का किरदार निभाते नजर आएंगे।

ऐसे में सूत्रों द्वारा बताया गया है कि ₹फरहान को बायोपिक फिल्मों में खास दिलचस्पी है, क्योंकि वो भाग मिल्खा भाग को अपने करियर की खास फिल्मों में मानते हैं। इस रोल के लिए उन्होंने जमकर तैयारी की है और 120 बहादुर में वो मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) के रूप में एक अलग

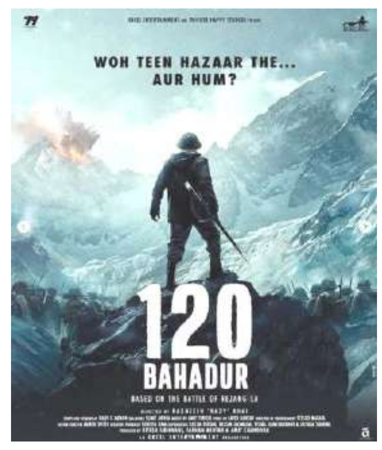

ही अंदाज में दिखेंगे। मेकर्स फिल्म की रिलीज को लेकर लंबा प्रमोशन करने की योजना बना रहे हैं, ताकि लोगों तक इसकी जानकारी पहुंच सके।₹इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म 120 बहादुर का टीजर 14 अगस्त 2025 से बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा, जो इंडिपेंडेंस डे वीकेंड के मौके पर आएगा। यह टीजर एक्शन से भरपूर फिल्म वॉर 2 के साथ जोड़ा जाएगा, जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर लीड रोल में हैं, जिससे इसे देशभर के मल्टीप्लेक्स में बड़ी पहुंच मिलेगी। इस वक्त एक्सेल एंटरटेनमेंट में 120 बहादुर का पोस्ट-प्रोडक्शन काम, जिसमें एडिटिंग, साउंड डिजाइन और वीएफएक्स शामिल है, तेजी से चल रहा है और टीम इसके जबरदस्त प्रमोशन की तैयारी में जुटी है।इसी बीच फरहान अख्तर अपनी अगली डायरेक्शनल फिल्म डॉन 3 की तैयारी भी कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म में रणवीर सिंह और कृति सेनन लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम चल रहा है और खबर है कि मेकर्स विलेन के दमदार रोल के लिए एक बड़े स्टार से बातचीत कर रहे हैं।इस फिल्म को रज़नीश 'राज़ी' घई ने डायरेक्ट किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने 'सितारे ज़मीन पर' की स्पेशल स्क्रीनिंग में कही खास बच्चों के कल्याण के लिए महाराष्ट्र सरकार के पूरे सहयोग की बात

2007 की सुपरहिट तारे ज़मीन पर का स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही सितारे ज़मीन पर को रिलीज़ के बाद से ही देशभर से जबरदस्त प्यार मिल रहा है। प्यार, हंसी और खुशी का अच्छा मेल दिखाने वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की है। इसी कामयाबी के बीच शिवसेना की प्रमुख प्रवक्ता शाइना एनसी ने फिल्म की एक खास स्क्रीनिंग रखी, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुपरस्टार आमिर खान भी शामिल हुए।मुंबई के इनॉक्स थिएटर में शिवसेना प्रवक्ता शाइना एनसी द्वारा रखी गई सितारे ज़मीन पर की खास स्क्रीनिंग को शानदार रिस्पॉन्स मिला। फिल्म ने अपनी दिल छूने वाली कहानी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस मौके पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुपरस्टार आमिर खान भी मौजूद रहे। फिल्म को इस इवेंट में सबकी तारीफ मिली, जिससे इसकी कामयाबी में और भी चमक जुड़ गई है।आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर 'शुभ मंगल सावधान' बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ 'सितारे जमीन पर' में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे।

फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

प्राइम वीडियो ने निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित अपनी ओरिजिनल पीरियड ड्रामा सीरीज़ 'द रिवोल्यूशनरीज़' की पहली झलक पेश की

वर्तमान में निर्माणाधीन 'द रेवोल्यूशनरीज़' में एक शानदार कलाकारों की टीम है, जिसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा, गुरफतेह पीरज़ादा और जेसन शाह प्रमुख भूमिकाओं में हैं.स्ट्रीमिंग के लिए निर्मित, इस सीरीज़ का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है और इसका निर्माण मोनिषा आडवाणी एवं मधु भोजवानी द्वारा एम्मे एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है, यह सीरीज़ संजीव सान्याल द्वारा लिखित पुस्तक 'रिवोल्यूशनरीज़ः द अदर स्टोरी ऑफ़ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम'' पर आधारित है 'द रेवोल्यूशनरीज़' का प्रीमियर वर्ष 2026 में भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।.प्राइम डे के अवसर पर, ग्राहकों के लिए विशेष पेशकश के रूप में, भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी पीरियड-ड्रामा सीरीज़'द रेवोल्यूशनरीज़' की आधिकारिक पहली झलक जारी की है। स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई और निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित, इस सीरीज़ का निर्माण मोनिषा आडवाणी और मधु भोजवानी ने एम्मे एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। वर्तमान में निर्माणाधीन इस सीरीज़ में भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा, गुरफतेह पीरज़ादा और जेसन शाह जैसे दमदार कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली झलक के ज़रिए इस आगामी सीरीज़ की एक झलक

दिखाई गई है, जो संजीव सान्याल की प्रसिद्ध और सराही गई पुस्तक 'रिवोल्यूशनरीज़ः द अदर स्टोरी ऑफ़ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। यह कहानी उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की है जो मानते थे कि ब्रिटिश राज को समाप्त करने के लिए सशस्त्र संघर्ष न केवल आवश्यक, बल्कि अनिवार्य था।

'द रेवोल्यूशनरीज़' उनके असाधारण जीवन, बलिदान और देश के प्रति उनके अटूट प्रेम को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। वर्तमान में बड़े पैमाने पर बन रही यह सीरीज़ देश के विभिन्न स्थानों जैसे मुंबई, अमृतसर, वाराणसी, देहरादून और अन्य शहरों में फिल्माई जा रही है। 'द रेवोल्यूशनरीज़' का प्रीमियर वर्ष 2026 में प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में किया जाएगा।"भारत का समृद्ध इतिहास साहस, वीरता और बलिदान की अनगिनत कहानियों से भरा पड़ा है — जिनमें से कई कहानियां समय के साथ खो चुकी हैं।

संजीव सान्याल की अद्भुत पुस्तक 'रिवोल्यूशनरीज़ः द अदर स्टोरी ऑफ़ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' हमारे स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्वपूर्ण पहलू पर रोशनी डालती है, और हमें गर्व है कि हम इस कहानी को जीवंत रूप में दर्शकों तक ला रहे हैं," निखिल मधोक, डायरेक्टर एंड हेड ऑफ़ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा। "द रेवोल्यूशनरीज़ हमारे लिए एक महत्वाकांक्षी और बेहद अर्थपूर्ण प्रोजेक्ट है, और हमें खुशी है कि हम एक बार फिर अपने पुराने सहयोगी निखिल आडवाणी और एम्मे एंटरटेनमेंट की प्रतिभाशाली टीम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। निखिल की रचनात्मक दृष्टिकोण, और भुवन, रोहित, प्रतिभा और गुरफतेह जैसे कलाकारों द्वारा सशक्त किरदारों को जीवंत रूप देने के साथ, हमें पूरा विश्वास है कि हम उस दौर की भावना को प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत कर पाएंगे और भारत के इतिहास के इस प्रेरणादायक अध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे।""मेरे लिए 'द रेवोल्यूशनरीज़' एक अत्यंत समृद्ध एवं ज्ञानवर्धक अनुभव है।

संजीव सान्याल की प्रभावशाली पुस्तक ने हमें इन असाधारण युवा देशभक्तों की अनकही कहानियों को प्रस्तुत करने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान किया है," निर्देशक निखिल आडवाणी ने कहा। "हमें बहुत खुशी है कि हम एक बार फिर प्राइम वीडियो जैसे अपने पुराने सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं, जो हमारी सोच और दृष्टिकोण को पूरी तरह से समर्थन और हौसला देते हैं। हम एक बेहतरीन टीम और कलाकारों को साथ लाए है, जिनमें भुवन, रोहित, प्रतिभा और गुरफतेह जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। ये सभी इस कहानी की भावना में में पूर्ण रूप से रम जाने और इन ऐतिहासिक किरदारों को जीवंत करने के लिए तैयार हैं। हमारा मकसद है कि हम एक ऐसी कहानी पेश करें जो सच्ची हो और दुनिया भर के दर्शकों को गहराई से प्रभावित करे।"

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती ने दी हरेला और श्रावण संक्रांति की मंगल कामना ।

16 जुलाई 2025 ज्योतिर्मठ, चमोली, उत्तराखंड ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती '१००८' जी महाराज ने हरेला पर्व एवं श्रावण संक्रांति की उत्तराखंड वासियों को मंगल कामनाएं प्रेषित की है ।महाराष्ट्र के मुम्बई शहर में अपना चातुर्मास्य व्रत कर रहे शंकराचार्य जी महाराज ने वीडियो सन्देश के माध्यम से सभी प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी । निर्गत संदेश में ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि हरेला पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए समर्पित पर्व है । इस अवसर पर हम सबको संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी वसुंधरा को हमेशा हरा-भरा रखने के साथ ही पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखें । इसके अलावा पूज्य शंकराचार्य जी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में संक्रांति से श्रावण मास की शुरुआत हो गई । वे सभी भक्तों को इस अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं और भगवान आशुतोष से प्रार्थना करते हैं सभी लोग निरोगी एवं स्वस्थ रहें।उक्त जानकारी शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी है।

एक्ट्रेस प्रियंका चौहान ने लाफिंग कॉमेडी म्यूज़िकल शो का सफल आयोजनचौबारा थिएटर में किया

मायानगरी की फिल्मों में काफी काम कर चुकी तथा एंड टी. वी. चैनल पर प्रसारित होने वाले हास्य धारावाहिक भाभी जी घर पर है ₹ फेम सुप्रसिद्ध एक्ट्रेस प्रियंका चौहान की संस्था ₹ नई पहचान एंटनटेनमेंट और वॉली बोनांजा के तत्वावधान में अंधेरी वेस्ट स्थित चौबारा थिएटर में एक विशाल ₹ लाफिंग कॉमेडी म्यूज़िकल शो' का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया ।

जिसका नाम था₹ द लाफसिंग शो₹ जिसमें स्टैंडअप कॉमेडियन तथा सिंगरो ने अपना अपना परफॉर्मेंस दिया।

नई पहचान इंटरटेनमेंट की फाउंडर बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चौहान ने हमारे फिल्म रिपोर्टर गिरजा शंकर अग्रवाल को बताया कि वॉली बोनांजा के कोफाउंडर ₹कम्पोज़र तथा सिंगर पंकज सैनी₹ हैं। इस लाफसिंग शो में बॉलीवुड सिनेमा जगत के कई सेलिब्रिटी गेस्ट्स अरविंदर सिंह, योगीराज तथा सभी का इस इवेंट में पूरा पूरा सहयोग मिला।

एक्ट्रेस प्रियंका चौहान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हमारा कॉमेडी म्यूज़िकल शो काफी सफल रहा है।

इसमें हमारे पूरे टीम मेंबरों का बहुत अच्छा सहयोग मिला है। उन्हें साधुवाद देना चाहूंगी। और पूरी टीम के मेंबरों का साथ लेकर आगे भी इससे अच्छा इवेंट कराने पर विचार किया जाएगा। तथा हमारे नई पहचान इंटरटेनमेंट के बैनर तले कई म्यूज़िक एल्बम ,कॉमेडी शो एड फिल्म्स,इवेंट भी आने वाले है ।

जिसका अनाउंसमेंट बहुत जल्दी होगा और दर्शकों के सामने जल्दी आने वाले हैं।

ओर मै इवेंट में आए रमाकांत मुंडे (मुंडे मीडिया फोटोग्राफर) का बहुत बहुत आभार प्रकट करती हूं। प्रियंका चौहान एक सोशल वर्कर भी जहां उन्होंने शो में एक स्पेशल परफॉर्मेंस भी रखा ।एक बच्ची का सॉन्ग परफोर्मेंस जो देख नहीं सकती और स्पेशियली नाशिक से बुलाके एक मौका दिया ओर उससे काफी लोगो को प्रोत्साहन मिला।

और प्रियंका जी आगे भी ऐसे अच्छे नेक काम अपने एन जी ओ नई पहचान इंटरटेनमेंटन के द्वारा करती रहेगी और साथ ही अपने गुरु जी का बर्थडे सेलिब्रेशन भी किया।

छायाकार : रमाकांत मुंडे मुंबई

प्रभास ने खोला राज, बताया क्यों करना चाहते थे हमेशा होम्बले फिल्म्स के साथ काम

प्रभास सच में सबसे बड़े पैन इंडिया सुपरस्टार हैं, जिन्होंने बाहुबली सीरीज, आदिपुरुष, सलारः पार्ट 1 - सीजफायर, कल्कि 2898 एडी जैसी कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। जब होम्बले फिल्म्स ने प्रभास के साथ सलारः पार्ट 1 - सीजफायर बनाई, तो प्रभास ने होम्बले फिल्म्स के सफर से जुड़ी एक खास बात याद की। उन्होंने कहा, ₹मुझे केजीएफ का एक पल अब भी याद है।

वो प्रशांत नील की पहली फिल्म थी (इस कंपनी के साथ) और उनका दूसरा प्रोजेक्ट था, तभी सेट पर आग लग गई। खर्च पहले ही ज्यादा था और पूरी टीम टेंशन में थी। तब विजय सर ने कहा, 'शांत रहो, पैसे की चिंता मत करो बस काम अच्छा करो,'₹ उन्होंने बताया, यही बेफिक्री उन्हें खास बनाती है।

मैंने कांटारा और दूसरी फिल्मों में भी ऐसे ही

किस्से सुने हैं। वो हमेशा अपने टीम से कहते हैं, 'मेरी फिल्मों में अच्छा काम सबसे जरूरी है।' इसलिए मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं, क्योंकि वो कभी भी काम की क्वालिटी से समझौता नहीं करते।"

होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्म कंपनियों में से एक है, जिसने कई बड़ी पैन इंडिया हिट फिल्में दी हैं। बेहतरीन फिल्मों को दर्शाने के अपने अंदाज के चलते, ये हमेशा बड़े कलाकारों, टॉप टेक्नीशियंस, शानदार बैकग्राउंड म्यूजिक, दमदार कहानियों और हर चीज के बेस्ट को एक साथ लाते हैं। केजीएफः चैप्टर 1 और चैप्टर 2, कंतारा और सलारः पार्ट 1 - सीजफायर जैसी फिल्मों के पीछे यही टीम रही है, जो सभी बड़े पैन इंडिया हिट बनीं।होम्बले फिल्म्स की केजीएफ फ्रेंचाइजी भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। इसे प्रशांत नील ने बनाया है और इसमें यश ने रॉकी भाई का रोल निभाया है।

केजीएफः चैप्टर 1 और चैप्टर 2 रिलीज हो चुकी हैं, और दोनों ने मिलाकर करीब 1500 करोड़ की कमाई की है, जिससे ये भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फ्रेंचाइजी में शामिल हो गई है।होम्बले फिल्म्स ने लगातार हिट फिल्मों के साथ कामयाबी की एक नई मिसाल कायम की है।

चाहे केजीएफः चैप्टर 1 और 2 हों, कंतारा हो या सलारः पार्ट 1 - सीजफायर, ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रहीं। उन्होंने हमेशा कहानियां दिखाने का अलग अंदाज अपनाया है। कांटारा में उन्होंने भारतीय संस्कृति को कहानी के साथ इतनी खूबसूरती से जोड़ा कि वो इंडस्ट्री में एक नया उदाहरण बन गई।

साथ ही उन्होंने इसे इतने भव्य तरीके से पेश किया कि दर्शकों के लिए ये एक अलग ही अनुभव रहा।होम्बले फिल्म्स लगातार लोगों के दिलों में अपनी जगह बना रही है और उनके पास आगे भी कई बड़ी फिल्में आने वाली हैं। इनमें कंताराः चैप्टर 1 है, जो 2 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी, और सलारः पार्ट 2 – शौर्यांग पर्व भी जल्दी आने वाली है। इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स ने हाल ही में ऋतिक रोशन के साथ अपनी आने वाली फिल्म का भी ऐलान किया है।

एक हार्दिक उत्सवः भारतीय टेलीविजन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आईटीए गान का अनावरण

भव्य शाम में जीतेंद्र, जैकी श्रॉफ, रंजीत गोली, शत्रुघ्न सिन्हा, पूनम सिन्हा, डेविड धवन, राजन लाल, महेश भट्ट, सोनी राजदान, रूपाली गांगुली, मीनाक्षी शेषाद्रि, रणदीप हुडा, रमेश तौरानी, महीप कपूर, हुनर हाली, मौसमी चटर्जी, सुरविंदर पाल विक्की, ताहिर शब्बीर मिठाईवाला, करण सिंह छाबड़ा, पायस पंडित, सुधीर पांडे, जयंतीलाल गड़ा, आकांशा रंजन, रोहिताश्व गौड़, असित की उपस्थिति देखी गई। कुमार मोदी, मधुरिमा तुली, रोहित रॉय, गुलशन ग्रोवर, करण मेहरा, महिमा चौधरी, राजन शाही, गौतम रोडे, अशोक पंडित, स्मृति कालरा, शाम कौशल, दीपिका सिंह, रोशनी वलाई, दर्शन कुमार, अल्पना बुच, पूनम ढिल्लों, अयूब शेख खान, विवियन डीसेना, डेज़ी शाह, करण वी ग्रोवर, जमनादास मजेठिया, अंजन श्रीवास्तव, उपासना सिंह, शिवम खजुरिया, हर्ष राजपूत, करणवीर शर्मा, कंवर ढिल्लों, राजेश खट्टर, राकेश पॉल, जिया मुस्तफा, राजीव पॉल, यश टोंक, गौरी टोंक, रोहित पुरोहित, समृद्धि शुक्ला, उदित नारायण, दिलीप जोशी, वरुण शर्मा, संजीव कपूर, हर्षद चोपड़ा, कृष्णा अभिषेक, सरिता जोशी, शिवांगी जोशी, दिया सिंह, टोनी सिंह, निवेदिता बसु और कई अन्य ।विरासत का जश्नअनु रंजन और शशि रंजन ने भारतीय टेलीविजन अकादमी (आईटीए) पुरस्कारों के 25 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में ₹आईटीए एंथम₹ का अनावरण किया - जो भारतीय टेलीविजन की भावना और आत्मा को एक भावनात्मक श्रद्धांजलि है ।गीत में एक यात्रामूल और नए संस्करणों को मिलाकर, यह गीत भारतीय टेलीविजन की 25 साल की यात्रा को दर्शाता है - इसके विकास, चुनौतियों और इसे आकार देने वाले लोगों को ।एक समारोह से कहीं अधिकदो दशकों से अधिक समय से, आईटीए ने अभिनेताओं, रचनाकारों, तकनीशियनों और दर्शकों के जुनून का सम्मान किया है।

यह गान इस यात्रा के प्रत्येक स्मृति और मील के पत्थर को श्रद्धांजलि है ।मनोरंजन जगत एक साथ आयाइस लॉन्च में समूचा टेलीविजन जगत - प्रतिष्ठित व्यक्ति, नवागंतुक और दूरदर्शी - साझा गौरव और हार्दिक पुरानी यादों के उत्सव में एक साथ आए ।संस्थापकों के हृदय से₹यह एंथम हमारी साझा कहानी है—हमारे स्क्रीन पर चमकने वाले लचीलेपन, रचनात्मकता और सपनों को एक श्रद्धांजलि। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद ।₹ अनु रंजन और शशि रंजनसमय के साथ गूंजजैसे ही राष्ट्रगान बजा, यह अतीत को वर्तमान के साथ सहजता से जोड़ता है - विरासत का सम्मान करते हुए भारतीय टेलीविजन के भविष्य को गले लगाता है।

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर हस्ताक्षर होंगे जल्द

यह समझौता द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा : शंकर ठक्कर

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 23-26 जुलाई को यूके और मालदीव की यात्रा पर जाएंगे, जहां वे यूके में ऐतिहासिक फ्री ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार को आसान और बेहतर बनाने के लिए है, जिससे भारतीय वस्तुओं पर टैक्स कम हो जाएगा और उन्हें यूके में बेचना आसान हो जाएगा। इस समझौते से ब्रिटिश उत्पादों जैसे व्हिस्की और कारों को भी भारत में बेचना आसान हो जाएगा ।डील की मुख्य बातेंः- हस्ताक्षर की तारीखः 23-24 जुलाई 2025 को यूके में हस्ताक्षर होने की संभावना है ।- व्यापार में वृद्धिः समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की विविधता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है ।- टैरिफ में कमीः समझौते से भारतीय वस्तुओं पर टैक्स कम हो जाएगा, जिससे उन्हें यूके में बेचना आसान हो जाएगा ।- यूके से भारत में आयात होने वाली वस्तुओं में शामिल हैंः- वाहनः- लग्जरी कारें जैसे जगुआर लैंड रोवर, रेंज रोवर और अन्य ब्रिटिश ब्रांड्स- अल्कोहल और पेय पदार्थः- स्कॉच व्हिस्की और अन्य ब्रिटिश अल्कोहल पेय पदार्थ, जिन पर आयात शुल्क 150% से घटाकर 75% कर दिया गया है- इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरीः- उन्नत प्रौद्योगिकी मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स- धातु और खनिजः- लोहा और इस्पात, खनिज और अन्य धातु उत्पाद- रसायन और उर्वरकः- विभिन्न प्रकार के रसायन और उर्वरकइन वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती के कारण, यूके से आयात होने वाली इन वस्तुओं की कीमतें कम हो सकती हैं। भारत और यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत, यूके से आयात होने वाली लगभग 90% वस्तुओं पर टैरिफ में कटौती की गई है ।शंकर ठक्कर ने आगे कहा प्रधानमंत्री मोदी की यूके यात्रा के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।ःकॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

जहाँ अकल है, वहाँ अकड़ है।

कौन बनेगा करोड़पति₹ आ रहा है 11 अगस्त से, सोमवार से शुक्रवार, रात 9 बजे, सिर्फ़ Sony Entertainment Television और SonyLIV पर।KBC KaunBanegaCrorepati AmitabhBachchan KBC.2025 जहाँअकलहैवहाँअकड़है

जीवन बचाने के लिए संस्थानों में CPR प्रशिक्षण

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

CPR (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण को विभिन्न संस्थानों, जैसे स्कूलों और कार्यस्थलों में एकीकृत करने के लिए पहल चल रही हैं, ताकि जनता की जागरूकता और अचानक कार्डियक अरेस्ट के लिए तैयारी में सुधार हो सके। इन प्रयासों का लक्ष्य उन व्यक्तियों को कौशल से सशक्त बनाना है जो संभावित रूप से सीपीआर देकर जीवन बचा सकते हैं।संस्थान अपनी सामाजिक जिम्मेदारी कोशों के माध्यम से स्थानीय एनजीओ के सहयोग से जागरूकता सत्र और प्रशिक्षण आयोजित करने में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं। छात्र ऐसे प्रशिक्षण पहलों में सक्रिय रुचि ले रहे हैं और स्थानीय समुदायों के साथ एक महत्वपूर्ण संबंध बनाने में योगदान दे रहे हैं।सीपीआर प्रशिक्षण पहलों के मुख्य पहलू: शिक्षा के पाठ्यक्रम में एकीकरण:यह सुनिश्चित करता है कि युवा लोग आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। कार्यस्थल प्रशिक्षण:सीपीआर प्रशिक्षण को उच्च-r i s k वातावरण में कार्यस्थल सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। समुदाय outreach:उच्च शिक्षा संस्थान एनजीओ की मदद से समुदाय o u t r e a c h कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों के माध्यम से सीपीआर प्रशिक्षण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। CPR जीवन बचाता है₹ अभियान और ₹आप परिसर में जीवन बचा सकते हैं₹ अभियान:छात्रों और कर्मचारियों को सीपीआर कौशल से लैस करना लक्ष्य है।CPR प्रशिक्षण के लाभ: बढ़ी हुई जीवन दर:समय पर सीपीआर उन व्यक्तियों के जीवन बचाने की संभावनाओं को काफी बढ़ा सकता है जो हृदयगति रुकने का सामना कर रहे हैं। सशक्त समुदाय:सीपीआर प्रशिक्षण व्यक्तियों को आपात स्थितियों में आत्मविश्वास से कार्य करने के लिए सक्षम बनाता है, जो संभवतः उनके परिवारों, समुदायों और कार्यस्थलों में जीवन बचा सकता है। घातकता में कमी:सीपीआर में प्रशिक्षित लोगों की संख्या बढ़ाकर, ये पहलकदमी अचानक हृदयगति रुकने के कारण कुल घातकता को कम करने का लक्ष्य रखती हैं।

नारियल तेल की कीमतों में तूफानी तेजी

दक्षिण के राज्यों में खाना पकाने के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल करने वाले लोगों को मजबूरी में दूसरे तेलों की तरफ करना पड़ रहा है रुख : शंकर ठक्कर

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया फरवरी, 2025 से नारियल तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बीच, दक्षिणी राज्य के सबसे बड़े त्योहार ओणम तक कीमत 575 प्रति लीटर तक पहुंच जाने की संभावना दिखाई पड़ रही है।दक्षिणी राज्यों में नारियल तेल का इस्तेमाल खाने के तेल के रूप में किया जाता है जबकि देश के अन्य राज्यों में इसका इस्तेमाल सर के बालों में डालने के लिए किया जाता है।

वर्तमान में कुल मिलाकर केवल 2 लाख लीटर नारियल तेल उपलब्ध है। यह आगामी तीन महीनों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

इसलिए आने वाले दिनों में कीमतें और भी बढ़ने के आसार हैं। इस वर्ष नारियल के पेड़ों पर कीड़े लगने से उत्पादन में बड़े पैमाने पर कमी आई है जिसके चलते कोप्रा (सूखे नारियल कोर) की कमी और साउथ-ईस्ट एशिया में भी उत्पादन में गिरावट की वजह से तेल उत्पादन सुस्त हो रहा है, जिससे संकट बढ़ा है। यदि यही रुझान जारी रहा, तो ओणम जो कि दक्षिणी राज्य का सबसे बड़ा त्यौहार है तक नारियल तेल की खुदरा कीमत 575 प्रति लीटर तक पहुंच सकती है।

नारियल तेल की कीमतें आसमान छूने से ग्राहक विकल्प के तौर पर अन्य तेलों की तरफ जिन में खासकर पाम ऑयल खरीदने पर विचार कर रहे है।

शंकर ठक्कर ने आगे कहा नारियल का इस्तेमाल न सिर्फ तेल के रूप में बल्कि बड़े पैमाने पर मंदिरों में प्रसाद के रूप में और खाने की वस्तुएं बनाने में जिन में खासकर चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है इसलिए प्रसाद के रूप में उपयोग करने वाले भक्तों को भी 15 से 25 तक मिलने वाला नारियल अब 40 से 60 रुपए के बीच खरीदना पड़ रहा है ।ः अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शंकर ठक्कर

समय से पहले और अच्छी बारिश के चलते खरीफ की बुवाई में तेज़ी, कुल क्षेत्रफल 11.44 % की बढ़ोतरी

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया इस वर्ष अनुमान के मुताबिक बारिश की समय से पूर्व और अच्छी शुरुआत से भारत में खरीफ सीजन की बुवाई ने तेज़ गति पकड़ी है और 10 जुलाई तक 438.83 लाख हेक्टेयर (lh) क्षेत्रफल पर फसलों की बुवाई पूरी हुई है। पिछले वर्ष के मुकाबले यह 11.44% की वृद्धि दर्शाता है, जब गत वर्ष यह आंकड़ा 393.77 लाख हेक्टेयर था।धान का क्षेत्रफल 7.4% बढ़कर 69.3 लाख हेक्टेयर तक पहुँच गया है। दलहन क्षेत्रफल में ज़ोरदार बढ़ोतरी हुई है, जो 35.2% वृद्धि के साथ 42.57 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसमें मूंग की बुवाई उल्लेखनीय रूप से 146.4% बढ़कर 16.58 लाख हेक्टेयर हो गई है, जो पिछले साल 6.73 लाख हेक्टेयर थी। उड़द की बुवाई भी बढ़कर 5.27 लाख हेक्टेयर पहुंची है। हालांकि, अरहर का क्षेत्रफल 11.1% घटकर 16.47 लाख हेक्टेयर रह गया है।तिलहन की बुवाई भी 14% बढ़कर 108.21 लाख हेक्टेयर हुई है। सोयाबीन की बुवाई बढ़कर 79.04 लाख हेक्टेयर और मूंगफली में 50.8% की भारी वृद्धि के साथ 26.74 लाख हेक्टेयर पर पहुँची।

सूरजमुखी लगभग स्थिर रहा और 0.46 लाख हेक्टेयर दर्ज हुआ।मोटे अनाजों की बुवाई 21% बढ़कर 77.18 लाख हेक्टेयर रही। बाजरे की बुवाई ने 83.7% की ज़ोरदार छलांग लगाई है और 30.82 लाख हेक्टेयर पर पहुँच गई है। ज्वार 5.54 लाख हेक्टेयर और मक्का क्षेत्रफल मामूली गिरावट के साथ 39.35 लाख हेक्टेयर पर दर्ज हुआ।कपास का क्षेत्रफल मामूली बढ़कर 79.54 लाख हेक्टेयर हुआ, जबकि जूट और मेस्ता में 2.7% की गिरावट आई और ये 5.47 लाख हेक्टेयर रह गया। गन्ने का क्षेत्रफल 55.16 लाख हेक्टेयर पर लगभग स्थिर बना हुआ है।मानसून की सक्रियता से 10 जुलाई तक सामान्य से 32% अधिक यानी 74 मिमी बारिश दर्ज की गई।

1 जून से अब तक कुल बारिश सामान्य से 15% अधिक यानी 254 मिमी हो चुकी है।मानसून की अच्छी स्थिति और जलाशयों में बेहतर पानी की उपलब्धता एवं सरकार द्वारा दी जा रही सहायता से खरीफ की बुवाई को मजबूती मिली है। किसान खेती के आधुनिक तौर तरीकों को अपनाने लगे हैं और मिट्टी की गुणवत्ता और फसलों की सेहत सुधारने के लिए टिकाऊ कृषि तरीकों पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं जिसके चलते खरीफ की बुवाई बढ़ी है।ः अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शंकर ठक्कर

भारत में मोबाइल टेलीफोनी के 30 वर्ष पूरे होने का जश्न

कैट, AIMRA और ORA द्वारा 31 जुलाई को नई दिल्ली और कोलकाता में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

पहली कॉल से डिजिटल क्रांति तक — भारत की मोबाइल यात्रा का साक्षी आयोजन

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया भारत की डिजिटल यात्रा के एक ऐतिहासिक पड़ाव को चिह्नित करते हुए, *कैट, ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एमरा) और ऑर्गनाइज़्ड रिटेलर्स एसोसिएशन (ओरा) के संयुक्त तत्वावधान में 31 जुलाई 2025 को नई दिल्ली और कोलकाता में एक भव्य आयोजन किया जाएगा, जो भारत में मोबाइल टेलीफोनी के 30 वर्षों की यात्रा का उत्सव होगा।चांदनी चौक से भाजपा सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने स्मरण किया कि 31 जुलाई 1995 को भारत में पहली मोबाइल कॉल की गई थी, जो उस समय के केंद्रीय दूरसंचार मंत्री सुखराम और पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु के बीच हुई थी। यह क्षण भारत के मोबाइल युग की शुरुआत का प्रतीक बना।खंडेलवाल ने कहा कि बीते तीन दशकों में, और विशेष रूप से पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम बाजार बन गया है। मोबाइल फोन अब केवल संचार का माध्यम नहीं रहा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य, शासन, मनोरंजन एवं मीडिया संचार का सशक्त उपकरण बन चुका है।दिल्ली कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं:खंडेलवाल ने जानकारी दी कि दिल्ली में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में एक विशेष “मोबाइल इतिहास प्रदर्शनी” लगाई जाएगी, जिसमें 1995 से 2025 तक के मोबाइल हैंडसेट्स की झलक देखने को मिलेगी — शुरुआती फीचर फोन से लेकर अत्याधुनिक एआई-सक्षम स्मार्टफोन तक शामिल रहेंगे। यह प्रदर्शनी मोबाइल यात्रा को दो चरणों में दर्शाएगीः 1995 से 2013 – पूर्ववर्ती सरकारों के अधीन नींव रखने वाला कालखंड
2014 से 2025 – प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेज़ी से हुई डिजिटल प्रगति का युगखंडेलवाल ने बताया की प्रदर्शनी में 2G से 5G तक नेटवर्क के विकास, और UPI, टेलीमेडिसिन, डिजिटल मनोरंजन, ई-कॉमर्स समेत विभिन्न क्षेत्रों में मोबाइल के नेतृत्व में आई क्रांतियों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।साथ ही, डिजिटल इंडिया, भारतनेट, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी प्रमुख सरकारी पहलों की झलक भी दी जाएगी, जिनके माध्यम से भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत डिजिटल पहचान बनाई है।शंकर ठक्कर ने बताया कि एक लाइव क्यूरेटेड प्रेजेंटेशन के माध्यम से मोबाइल फोन के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान की यात्रा को भी दर्शाया जाएगा। इस अवसर पर दूरसंचार, रिटेल और टेक्नोलॉजी क्षेत्र के प्रमुख उद्योग विशेषज्ञ भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।कोलकाता — जहां से यह यात्रा शुरू हुईभारत की पहली मोबाइल कॉल कोलकाता में की गई थी, जो मोदी टेल्स्ट्रा नेटवर्क (भारत के मोदी समूह और ऑस्ट्रेलिया की टेल्स्ट्रा का संयुक्त उपक्रम) पर आधारित 2G GSM प्रणाली और नोकिया हैंडसेट के माध्यम से संभव हुई थी। इस ऐतिहासिक पल को कोलकाता में प्रतीकात्मक रूप से पुनः प्रस्तुत किया जाएगा, जो भारत की मोबाइल क्रांति के उद्गम स्थल को सम्मानित करेगा।एमरा के राष्ट्रीय चेयरमैन कैलाश लख्यानी ने कहा कि मोबाइल फोन भारत की डिजिटल क्रांति का सबसे सशक्त प्रतीक है। जो कभी विलासिता की वस्तु मानी जाती थी, वह आज हर भारतीय की जीवन रेखा बन चुकी है। यह आयोजन तकनीक की परिवर्तनकारी शक्ति और देशभर के लाखों मोबाइल रिटेलर्स को एक समर्पित श्रद्धांजलि है।”उन्होंने आगे कहा कि भारत का मोबाइल रिटेल परिदृश्य अब 100 वर्गफुट की दुकानों से लेकर राष्ट्रीय चेन स्टोर्स तक पहुँच चुका है। ग्राहक जागरूकता, डिजिटल अपनापन और रोजगार सृजन में मोबाइल रिटेलरों की भूमिका को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।लख्यानी ने AIMRA और ORA की ओर से यह दोहराया कि यह केवल एक उत्सव नहीं बल्कि भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को पूरा करने में मोबाइल रिटेलर्स को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।शंकर ठक्कर ने आगे कहा दुर्लभ प्रदर्शनों, जीवंत दृश्य अनुभवों, अनसुनी कहानियों और विचारोत्तेजक जानकारियों से समृद्ध यह आयोजन न केवल अतीत की 30 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा का उत्सव होगा, बल्कि भविष्य की मोबाइल-आधारित भारत की झलक भी प्रस्तुत करेगा।ःकॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

अमेजन, फ्लिपकार्ट पर उच्च न्यायालय ने लगाई फटकार, जारी किए सख्त निर्देश

ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनियों पर सरकार क्यों मेहरबान है? : शंकर ठक्कर

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया दिल्ली हाईकोर्ट ने अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइटों को 'भारत की एक दिग्गज कंपनी के ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी की याचिका पर सहमति जताते हुए कहा कि इन प्लेटफॉर्मों पर नकली उत्पादों को बेचा जा रहा था, जिससे ग्राहकों के भरोसे को खतरा हो सकता है।दिल्ली हाईकोर्ट ने ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट सहित कई अन्य ई-कॉमर्स वेबसाइटों को फटकार लगाई है। अदालत ने उन्हें ' कोई भी कंपनी के ' ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले उत्पादों को नहीं बेचने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने आदेश दिया कि ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले सभी उत्पादों के निर्माण और उनके विज्ञापनों पर भी रोक लगा दी जाए। यह पूरा मामला भारत की दिग्गज कंपनी की साख का फायदा उठाकर नकली उत्पादों की बिक्री से जुड़ा है।दरअसल, कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर बड़ी कंपनियों से मिलते जुलते नामों और कंपनी के लोगो का इस्तेमाल करके उत्पादों को बेचा जा रहा था। बड़ी कंपनियों की साख का फायदा उठाकर ये कंपनियां ग्राहकों के भरोसे से खेल रही थीं। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि जिस भी उत्पाद को इन कंपनियों द्वारा नहीं बनाया है, उसे किसी भी बड़ी कंपनी के नाम से नहीं बेचा जा सकता।न्यायालय ने कंपनी की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा, 'ऑनलाइन या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिये बेचे जाने वाली उपभोक्ता वस्तुओं की पहचान के लिए ग्राहक ब्रांड नाम और कंपनी-लोगो पर निर्भर करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अगर उत्पादों के बीच किसी भी प्रकार का भ्रम है तो इससे उपभोक्ता सुरक्षा को खतरा हो सकता है।'इससे पहले कंपनी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया गया था कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कई विक्रेता उनके ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करके फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) बेच रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि बिना अनुमति के उनके ट्रेडमार्क का उपयोग करना, व्यापार जगत और आम जनता को धोखा देना और भ्रमित करना है।शंकर ठक्कर ने आगे कहा न्यायालय द्वारा बार-बार अमेजॉन फ्लिपकार्ट एवं अन्य ऑनलाइन कंपनियों पर फटकार लगाने के बावजूद सरकार क्यों मौन है ? क्या सरकार इन बहुराष्ट्रीय कंपनियां जो कि अधिकतर अमेरिकन है के दबाव के तले उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रही है ? यदि छोटा व्यापारी सरकार के किसी भी कानून का अनजाने में भी उल्लंघन करता है तो उस पर तुरंत कार्यवाही की जाती है और इन ऑनलाइन कंपनियों द्वारा सरेआम भारत के कानून को ताक पर रखकर अनैतिक व्यापार करने के बावजूद सरकार हाथ पे हाथ धरकर बैठी हुई है। भारत सरकार को तुरंत ऑनलाइन कंपनियों पर कार्यवाही करनी चाहिए।ःकॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता जोर पकड़ने से खाद्य तेल,चीनी और नमक की खपत आई गिरावट

प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान का भी हुआ असर : शंकर ठक्कर

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया घरेलू मांग से सीधे तौर पर जुड़े खाद्य तेल का आयात लगातार गिर रहा है मई में 22% घटकर 11.78 लाख टन रह गया।आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 18 किलोग्राम और चीनी की खपत लगभग 20 किलोग्राम है।पिछले 2-3 महीनों में खाद्य तेल और चीनी की खपत में मौसम, कीमतों और बदलती प्राथमिकताओं सहित विभिन्न कारकों के कारण गिरावट आई है। यह गिरावट प्रधानमंत्री जी द्वारा लोगों को आह्वान कर मोटापा कम करने और स्वास्थ्य के प्रति जागृत होने के लिए खाद्य तेल,चीनी और नमक के कम इस्तेमाल करने के साथ भी मेल खाती है।

इस अभियान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फिट रहने के लिए खाना पकाने के तेल के उपयोग में कटौती करने की अपील का असर दिखने लगा है।मई में खाना पकाने के तेल का आयात, जिसका घरेलू मांग से सीधा संबंध है, 22 प्रतिशत घटकर 11.78 लाख टन रह गया और अप्रैल में भी गिरावट पिछले वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत रही।इसी तरह,जून के दौरान सरकार द्वारा आवंटित 23 लाख टन चीनी कोटे में से 1 लाख टन चीनी बिना बिके रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने 25.5 लाख टन चीनी का आवंटन कम था।

हालाँकि, जून के लिए अंतिम बिक्री के आंकड़े मिलों द्वारा प्रस्तुत मासिक विवरण के आधार पर 20 जुलाई के बाद ही उपलब्ध होंगे।₹गर्मियों के दौरान, खाना पकाने के तेल की खपत आम तौर पर अन्य मौसम की तुलना में कम होती है और जैसे-जैसे फरवरी से तापमान बढ़ता है, खपत में भी गिरावट आने लगती है।

कुछ कंपनियों द्वारा ग्राम के हिसाब से कम मात्रा की पैकिंग में खाना पकाने का तेल बेचने से भी खाना पकाने के तेल की कुल मात्रा में गिरावट आई है,₹कृषि मंत्रालय ने सबसे पहले इस साल मार्च में एफएम रेडियो चैनलों पर कुछ जिंगल्स प्रसारित किए थे जिनमें लोगों से खाने के तेल का सेवन कम करने की अपील की गई थी, जिसमें मोदी की अपील भी शामिल थी। बाद में, FSSAI ने फिट रहने की अपील में चीनी और नमक को शामिल करके एक अभियान शुरू किया।अक्टूबर 2024-जुलाई 2025 के दौरान घरेलू बिक्री के लिए सरकार द्वारा चीनी कोटा का कुल आवंटन 229.5 लाख टन तक पहुँच गया, जो एक साल पहले की समान अवधि के 245 लाख टन से 6 प्रतिशत कम है।

भारत में 2024-25 सीज़न (अक्टूबर-सितंबर) में रिकॉर्ड 290 लाख टन चीनी की खपत हुई थी।कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण रिफाइंड चीनी की बजाय गुड़ उत्पादों की ओर रुझान बढ़ा है इसलिए भी चीनी की खपत कम हुई है। दूसरी तरफ नमक का भी लोगों ने उपयोग कम किया है।ः कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

कासोदरिया परिवार के प्रेरक भाई जिन्होंने पौधे की जड़ों को देखकर नशा छोड़ दिया।

वर्तमान में, पूरे गुजरात में वृक्षारोपण पूरे जोश और उत्साह के साथ चल रहा है।

कहावत है कि एक व्यक्ति दुनिया को भले ही न बदल सके, लेकिन एक व्यक्ति का एकाग्रचित्त होकर किया गया कार्य कई लोगों का जीवन संवार सकता है।ऐसी ही एक सच्ची कहानी पर आधारित, आज हम आप सभी के लिए एक अच्छी कहानी लेकर आए हैं। आज, गाँवों और शहरों में, हर बड़ा-छोटा परिवार, यहाँ तक कि व्यसनग्रस्त व्यक्ति भी, हमारे सामने आए प्रमाणों से जागरूक हुए हैं, जिनकी हम सराहना करते हैं और समाज के आईने में रखते हैं। हम आपसे यह भी कहते हैं कि ऐसे ज्ञानी लोगों से प्रेरणा लेकर लोगों को अधिक से अधिक जागरूक होना चाहिए और एक व्यसनमुक्त समाज का निर्माण करना चाहिए।

यहां यह उल्लेखनीय है कि ग्रीन आर्मी चैरिटेबल ट्रस्ट के एक सक्रिय सैनिक और भावनगर जिले के पालीताणा तालुका के खाखरिया गांव के मूल निवासी शैलेश भाई अर्जनभाई कासोदरिया, साथ ही पेड़, प्रकृति और पर्यावरण के प्रेमी, हमारे प्रिय मित्र मनसुखभाई कासोदरिया की वृक्षारोपण के प्रति 365 दिन की निरंतर सेवा से अभिभूत थे। प्रेरणा के स्रोत से एक बिंदु शैलेश भाई अर्जनभाई कासोदरिया था, जो अपने गृहनगर के किरायेदार हैं, उन्होंने पान मावा की लत छोड़ दी है, जिसके बाद उन्होंने 6 पेड़ लगाए हैं।

वह इन पेड़ों को एक बच्चे की तरह पालेंगे और पर्यावरण के रखरखाव और देखभाल करने वाले एक अन्य प्रेरक, धनश्यामभाई रामजीभाई कासोदरिया भी पत्ते की कटाई छोड़ देंगे और 6 पेड़ लगाकर, देखभाल करके और पर्यावरण को संरक्षित करके प्रकृति का कर्ज चुकाएंगे।

मनसुखभाई ने यह भी कहा कि मेरी निस्वार्थ सेवा पूर्ण हो रही है, जिसकी खुशी में मैं एक नियम भी बनाता हूं और अपील करता हूं कि यदि मेरे रिश्तेदारों, परिवार, भाइयों, दोस्तों में से कोई भी व्यक्ति अपनी लत छोड़ देता है और व्यसन से मुक्त हो जाता है, तो मैं इस जीवन-परिवर्तनकारी दिन को उनके लिए एक स्थायी स्मृति बनाने के लिए अपने खर्च पर 5 पेड़ लगाऊंगा, उनका रखरखाव और देखभाल करूंगा।

इस प्रकार, ग्रीन आर्मी के 365 सैनिकों द्वारा 365 दिन की वृक्षारोपण सेवा एक व्यसन-मुक्त समाज के लिए एक प्रेरक सेवा बन गई है।

वाह, ग्रीन आर्मी समूह, जो पेड़ों का प्रेमी है, एक पर्यावरण प्रेमी है, प्रकृति का प्रेमी है और लोगों में जागरूकता लाता है, यहां तक कि सौ तोपों की सलामी भी पर्याप्त नहीं होगी। सोशल मीडिया पर ग्रीन आर्मी की सेवा की सराहना यह सेवा वास्तव में जन जागरूकता अभियान का हिस्सा बन गई है।

एफएसएसएआई ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की दी चेतावनी

सिर्फ चेतावनी देने से इन कंपनियों पर कोई असर नहीं होगा ठोस कार्यवाही की आवश्यकता : शंकर ठक्कर

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया पिछले कुछ समय में एफएसएसएआई एवं बीआईएस द्वारा ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स के गोदाम में डाले गए छापों में कई प्रकार की कमियां पाई गई। कई गोदामो में एक्सपायरी डेट के करीब के माल पाए गए तो कई गोदाम सुरक्षा निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए पाए गए इसलिए विभाग ने इन पर नकेल कसने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। एफएसएसएआई ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है । 70 से ज़्यादा प्लेटफॉर्म प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में, नियामक ने बढ़ती ई-कॉमर्स खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए लाइसेंस प्रदर्शन, स्वच्छता प्रशिक्षण, गोदाम प्रकटीकरण और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सख्ती से पालन अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं।भारत के तेजी से बढ़ते ऑनलाइन बाजार में खाद्य सुरक्षा मानकों को मजबूत करने के लिए एक निर्णायक कदम के रूप में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सीईओ ने खाद्य उत्पादों की बिक्री और वितरण में लगे ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को कई कड़े निर्देश जारी किए हैं।नई दिल्ली स्थित FSSAI मुख्यालय में आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में, सीईओ ने सभी ई-कॉमर्स संस्थाओं को निर्देश दिया कि वे रसीदों, इनवॉइस और कैश मेमो सहित उपभोक्ता से जुड़े हर दस्तावेज़ पर अपने FSSAI लाइसेंस या पंजीकरण संख्या को प्रमुखता से प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, प्लेटफ़ॉर्म को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्राहकों को दिए जाने वाले ऐसे सभी दस्तावेज़ों पर फ़ूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप — जो एक प्रमुख उपभोक्ता शिकायत और फ़ीडबैक टूल है — की जानकारी दिखाई दे।सभी इन कंपनियों को अपने सभी गोदामों और भंडारण केंद्रों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही ई-कॉमर्स संचालन से जुड़े सभी गोदामों को एफएसएसएआई द्वारा पंजीकृत या लाइसेंस प्राप्त होना चाहिए।शंकर ठक्कर ने आगे कहा हाल ही में एफएसएसएआई एवं भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा ई-कॉमर्स गोदाम पर की गई छापेमारी में भारी मात्रा में घटिया एवं नकली सामान बरामद किया गया इसलिए भारत सरकार को बेलगाम और अनैतिक गतिविधियों करने वाली इन ई-कॉमर्स कंपनियों पर नकेल कसने के लिए ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनी के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उल्लंघन कर्ताओं पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए एक स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण की स्थापना हो जो भारत में ई-कॉमर्स को नियंत्रित और मॉनिटर करें सिर्फ निर्देश देने से यह कंपनियां बाज आने वाली नहीं है।ःकॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।